मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

02 मई, 2018

विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र कालीचरण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ में दिनांक 02 मई, 2018 को समागम एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह रहे।

इस अवसर पर कालेज के प्राचार्य डॉ0 देवेन्द्र कुमार सिंह, समन्वयक डॉ0 एस0सी0 पाण्डेय एवं सह–समन्वयक सत्य प्रकाश प्रसाद एवं छात्र/छात्राओं ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

कार्यक्रम में माननीय कुलपति जी ने कालेज की छात्राओं से सीधा संवाद करते हुए आज के परिवेश में शिक्षा की महत्ता के बारे में सवाल–जवाब किया। छात्राओं ने भी उनके प्रश्नों का उत्साहपूर्वक उत्तर दिया ।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए कालेज के प्राचार्य डॉ0 देवेन्द्र कुमार सिंह

कार्यक्रम में बोलते हुए प्राचार्य डॉ0 देवेन्द्र कुमार सिंह एवं मंचासीन माननीय अतिथि।

समारोह को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

लखनऊ, गुरुवार
3 मई 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 3.00
पृष्ठ 20+4=24

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

कोलेजियम ने जस्टिस जोसेफ की प्रोन्नति पर टाला फैसला } 15

फेसबुक में लोकप्रियता में मोदी शीर्ष पर } 18

राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी में शुरू होंगे नए कोर्स

जागरण संवाददाता, लखनऊ : राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन ओपन यूनिवर्सिटी में जुलाई 2018 से शुरू हो रहे नए शैक्षिक सत्र में विद्यार्थियों को कई नए कोर्स पढ़ने को मिलेंगे। जीएसटी पर सार्टिफिकेट कोर्स के अलावा स्नातक व परास्नातक स्तर पर लोक प्रशासन, भूगोल का कोर्स शुरू होगा। इसके अलावा डिप्लोमा इन इंटीग्रेटेड एग्रीकल्चर मैनेजमेंट और एमएससी फूड टेक्नोलॉजी एंड न्यूट्रीशन कोर्स शुरू किया जाएगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. केएन सिंह ने दी। वह बुधवार को कालीचरण पीजी कॉलेज में परास्नातक के विद्यार्थियों के विदाई समारोह में मौजूद थे।

कुलपति प्रो. केएन सिंह ने बताया कि अभी राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी के प्रदेश भर में करीब 800 अध्ययन केंद्र हैं, मगर इसमें से लगभग 100 ऐसे होंगे जहां पिछले तीन साल से एक भी दाखिला नहीं हुआ है। ऐसे में उन्हें चेतावनी दी जाएगी और फिर भी न सुधरे तो बंद कर दिया जाएगा। यही नहीं ऐसे अध्ययन केंद्र जहां पर विभिन्न कोर्सेज में दाखिले नहीं हो रहे हैं तो उन अध्ययन केंद्रों के कोर्सेज में कटौती कर दी जाएगी। प्रो. सिंह ने बताया कि नया अध्ययन केंद्र जल्द ही फैजाबाद और मिर्जापुर में खोला जाएगा। यही नहीं पिछले कुछ महीनों में 60 नए अध्ययन केंद्र खोले गए हैं। भविष्य में इनकी संख्या बढ़ाकर करीब एक लाख करने का प्रस्ताव है।

टोल फ्री नंबर 1800120111333 पर दर्ज करवाएं शिकायत : प्रो. सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए अध्ययन केंद्र व यूनिवर्सिटी के चक्कर न लगाने पड़े इसके लिए टोल फ्री नंबर 1800120111333 शुरू किया गया है। इस पर विद्यार्थी अपनी शिकायत दर्ज करवाएंगे और निश्चित समय में उनका निराकरण होगा।

एक विषय से विद्यार्थी कर सकेंगे दो वर्षीय स्नातक : तमाम ऐसे विद्यार्थी हैं जिन्होंने बीए में ऐसे विषय लिए कि वह अब शिक्षक पद की भर्ती के लिए अर्ह नहीं हैं। उदाहरण के तौर पर हिंदी के साथ संस्कृत जरूरी रहती है। ऐसे में विवि एक विषय में दो वर्षीय स्नातक कोर्स शुरू करेगा ताकि विद्यार्थी इसकी पढ़ाई कर अपना करियर संवार सकें।

कालीचरण जैसा अध्ययन केंद्र बढ़ा रहा हमारी ताकत : कालीचरण पीजी कॉलेज जैसे अध्ययन केंद्र उप राजर्षि टंडन यूनिवर्सिटी की ताकत बढ़ा रहा है। इस केंद्र पर लगातार विद्यार्थियों की संख्या बढ़ रही है। प्रो. सिंह ने अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ. एससी पांडेय और प्राचार्य डॉ. देवेंद्र प्रताप सिंह की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर सुविधा देना ही हमारा लक्ष्य है।

कालीचरण पीजी कॉलेज में पीजी के छात्रों के विदाई समारोह में बोलते राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. केएन सिंह

बढ़ेगी च्वाइस

- लोक प्रशासन, भूगोल, इंटीग्रेटेड एग्रीकल्चर मैनेजमेंट व जीएसटी के कोर्स जुलाई से
- 100 निष्क्रिय अध्ययन केंद्र जहां पर तीन साल से एक भी दाखिला नहीं हुआ वह होंगे बंद

परीक्षा में 'बी' कॉपी होगी बंद

परीक्षा में अभी तक विद्यार्थियों को 'बी' कॉपी दी जाती है। प्रो. सिंह ने बताया कि इससे गड़बड़ी की भी आशंका रहती है। ऐसे में अब सिर्फ 'ए' कॉपी ही मिलेगी। 'ए' कॉपी ज्यादा पेज की छपवाई जा रही है और विद्यार्थियों को प्रश्नों का उत्तर निर्धारित शब्द संख्या में ही लिखना होगा।

पूर्व छात्र समिति का गठन जल्द

कुलपति प्रो. केएन सिंह ने बताया कि जल्द ही पूर्व छात्र समिति का गठन किया जाएगा। इसके लिए वेबसाइट के माध्यम से पूर्व छात्रों को रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरवाकर समिति गठित की जाएगी। अभी तक यहां पूर्व छात्र समिति गठित नहीं है।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

02 मई, 2018

दिनांक 02 मई, 2018 को राजधानी लखनऊ स्थित विश्व संवाद केन्द्र के अधीश सभागार में आद्य पत्रकार देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणीय के सदस्य माननीय इंद्रेश जी रहे।

इस अवसर पर आजतक के राज्य ब्यूरो कुमार अभिषेक, टाइम्स ऑफ इंडिया की मुख्य संवाददाता ईषा जैन, नवभारत टाइम्स के एसोसिऐट एडिटर मनीश शर्मा व फोटो जर्नलिस्ट सूरज पाल को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की प्रस्तावना डॉ0 अशोक दुबे ने रखी। संचालन अशोक सिन्हा जी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन लक्षमण भावसिंहका ने किया।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए माननीय अतिथिगण।

समारोह में बोलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणीय के सदस्य माननीय इंद्रेश जी

पत्रकारों को सम्मानित

करते हुए

माननीय अतिथिगण।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

नारद जयंती समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि के रुप में माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने कहा कि एक समय हम सब नारइ जी के नाटक को देखकर हंसते थे। लोग उनको आपस में लड़ाने वाला समझते थे। उस जमाने में भी नारद जी एक जगह से दूसरी जगह तक पहुच जाते थे यह जिज्ञासा का प्रश्न है।

माननीय अतिथियों के साथ ग्रुप फोटोग्राफी कराते हुए सम्मानित पत्रकार

अमर उजाला
लखनऊ
बृहस्पतिवार, 3 मई 2018
amarujala.com
हमला
रक्षा मंत्री की कार पर बरसाए पत्थर और चप्पल... 14
उत्तर प्रदेश
mycity
बृहस्पतिवार • 3.05.2018
महिला • संस्कृति • समाज
अमर उजाला
7

जिन्ना ने कराया देश का विभाजन : इंद्रेश कुमार

नारद जयंती पर पत्रकारों का सम्मान

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार ने कहा कि शहीद भगत सिंह ने देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया जबकि मोहम्मद अली जिन्ना ने देश का विभाजन कराया। वह बुधवार को विश्व संवाद केंद्र के अधीश सभागार में आयोजित आद्य पत्रकार देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि सृष्टि संचालन में नारद जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वो अज्ञानता को मिटाकर लोगों को ज्ञान बांटते थे। इसलिए उन्हें पूरी मानव जाति याद रखती है और उनका सम्मान है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने देश व समाज के उत्थान के लिए काम किया उन्हें लोग सम्मान देते हैं और उसकी पूजा करते हैं। देश के लिए शहीद हुए भगत सिंह आज करोड़ों भारतीयों के आदर्श हैं लेकिन जिन्ना ने देश का विभाजन कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वरनाथ सिंह ने कहा कि एक समय हम सब नारद जी के नाटक को देखकर हंसते थे। लोग उनको आपस में लड़ाने वाला समझते थे। उस जमाने में भी नारद जी एक जगह से दूसरी जगह तक पहुंच जाते थे जो जिज्ञासा का प्रश्न है। इस मौके पर पत्रकारों को सम्मानित भी किया गया जिसमें कुमार अभिषेक, ईशा जैन, मनीष शर्मा व फोटो जर्नलिस्ट सूरज पाल शामिल हैं।

सोनम की शादी पर परफार्म करेंगी जाह्नवी पेज-20

राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

■ लखनऊ ■ नई दिल्ली ■ गोरखपुर ■ पटना ■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित
लखनऊ
बृहस्पतिवार ● 3 मई ● 2018
पृष्ठ 20, मूल्य ₹3.00

सराफा लखनऊ सोना (प्रति 10 ग्राम) 32,130 | चांदी (प्रति किलो) 40,250 | शेयर सेंसेक्स 35176.42 +16.06 | निफ्टी 10718.05 -21.30 | विनिमय दर ₹/$ 66.65 0.00 | मौसम (लखनऊ) तापमान अधिकतम 36.3 | न्यूनतम 24.5

समाज और राष्ट्रहित की बात करे वो नारद : इंद्रेश कुमार

लखनऊ (एसएनबी)। ब्रह्मा जी के मानस पुत्र सृष्टि के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नारद को नमन है। जो अंधेरे से बाहर निकाले उसे नारद कहते है। जो ज्ञान को समझे और आगे बढ़ाए उसे नारद कहते है। मीडिया अगर तूफान न खड़ा करे, तो मीडिया कुछ और हो जाएगा। भगत सिंह देशभक्त थे, जिन्नाह देशद्रोही। भगत सिंह देशहित में फांसी दी, जिन्ना ने विभाजन के लिए संघर्ष किया। विभाजन के वक्त 3 करोड़ लोग बिछड़े थे, 4 लाख बहु बेटियों ने बलिदान दिया था। यह बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्य परिषद सदस्य मा. इंद्रेश कुमार ने नारद जयंती पर लखनऊ विश्व संवाद केंद्र में बुधवार को कही। वह पत्रकार सम्मान समारोह में उपस्थित मीडियाकर्मियों को संबोधित कर रहे थे।

देश के विभाजन का जिम्मेदार जिन्ना नही सुभाष बोस हैं हमारे आदर्श

आद्य पत्रकार देवर्षि नारद जयंती पर विश्व संवाद केंद्र में पत्रकार सम्मान समारोह

वरिष्ठ प्रचारक मा. इंद्रेश कुमार ने पांच पत्रकारों को किया सम्मानित

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर सिंह ने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि मै अपने परिवार में आया हूं। परिवार के बीच में आना खुद में गौरवान्वित होने जैसा है। यह विश्वविद्यालय दीनदयाल के अंत्योदय के सिद्धांत पर अडिग है। पिछड़ों और वंचितों तक हम निरंतर पहुंचने का प्रयास करते है। लोकमंगल की भावना से ही घटनास्थल पर पहुंचना नारद की विशेषता है। व्यक्तित्व, .तित्व, रचनाओं और विधाओं के माध्यम से नारद जी कल्याणकारी पत्रकार थे। हर व्यक्ति को स्थान और समय का बोध होना चाहिए। तभी हमारी लेखनी भी सही दिशा में चलेगी।

आज खतरे में है हमारी विविधता : प्रो. कामेश्वर ने कहा कि आज हमारी विविधता को बहुत बड़ा खतरा है। जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा और लिंग जैसे पूर्वाग्रह को लेकर खाई चौड़ी की जा रही है। संप्रदाय के नाम पर नफरत बोई जा रही है। जातीय जहर बोने का काम हो रहा है। पत्रकारों को समय की पहचान करना भी जरूरी है। उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण के दौर में भारत की मीडिया को भी तय करना होगा कि हमें किस ओर चलना है। समाज को भी पत्रकारों की चिंता करनी चाहिए, क्योंकि उसकी चिंता कोई नही कर रहा है।

पत्रकार का ध्येय समाज और राष्ट्रहितः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अवध प्रांत के प्रचार प्रमुख डॉ अशोक दुबे ने विषय प्रवेश करते हुए कहा कि भारतीय संस्.ति में नारद का बहुआयामी योगदान है। राष्ट्रहित, समाजहित और मानव कल्याण की भावना के साथ नारद ने पत्रकारिता की दिशा तय की थी। समाज का प्रबोधन करते हुए समाज को ठीक दिशा में ले जाना मीडिया का काम है। देश में अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर सभी प्रांतों में नारद जयंती मनाई जा रही है।

अयोध्या में स्थापित हुआ था पहला केंद्र : लखनऊ जनसंचार एवं पत्रकारिता संस्थान के निदेशक अशोक कुमार सिन्हा ने संस्थान का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि इस संस्थान से अब तक 500 से अधिक छात्र पढ़कर निकल चुके है। 125 पत्रकार देश के बड़े संस्थानों में कार्यरत है। 1992 में अयोध्या से शुरू हुआ विश्व संवाद केंद्र का सफर अनवरत जारी है। पहले विश्व संवाद केंद्र की स्थापना राजनाथ सिंह सूर्य और पीके राय ने स्थापित किया था। उसके बाद यह विश्व संवाद केंद्र इस भवन में स्थापित हुआ, जिसमे अधीश कुमार का अनुकरणीय योगदान रहा है।

मोदी के पास ट्रम्प से दोगुने एफबी फॉलोवर देखें Front Page 2 जाएं पेज 16

YOUNG INDIA > YOUNG PAPER
NBT नवभारत टाइम्स

यह जीत अनुष्का के लिए : विराट ▸p15

www.nbt.in
मूल्य सिर्फ 3.00 रु.

'जो अज्ञानता को मिटाए वही नारद मुनि'

■ **एनबीटी, लखनऊः** आद्य पत्रकार देवर्षि नारद जयंती पर पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन बुधवार को विश्व संवाद केंद्र में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश ने कहा कि जो अज्ञानता मिटा दे वह नारद मुनि है।

इन्द्रेश ने बताया कि 21 अक्टूबर 1943 को सुभाष चन्द्र बोस ने आजाद हिन्द फौज के सर्वोच्च सेनापति की हैसियत से स्वतन्त्र भारत की अस्थायी सरकार बनाई थी। उसे जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको और आयरलैंड ने मान्यता भी दी थी। जापान ने अंडमान और निकोबार द्वीप सुभाष चन्द्र बोस को दिए थे। सुभाष चन्द्र बोस ने उन द्वीपों का नया नामकरण किया। इसलिए हकीकत में स्वतंत्र भारत की नींव तो 21 अक्टूबर 1943 में रख दी गई थी। ऐसे में इस साल उसका 75वां जश्न राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाना चाहिए।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश ने विचार रखे।

समारोह के मुख्य अतिथि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय कुलपति प्रफेसर कामेश्वरनाथ सिंह रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार मनीष शर्मा, कुमार अभिषेक, ईशा जैन और फोटो जर्नलिस्ट सूरज पाल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नरेन्द्र भदौरिया ने, संचालन अशोक सिन्हा ने की।कार्यक्रम की प्रस्तावना डॉ. अशोक दुबे ने रखी।

लखनऊ, गुरुवार
3 मई 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 3.00
पृष्ठ 20+4=24

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

कोलेजियम ने जस्टिस जोसेफ की प्रोन्नति पर टाला फैसला } 15
फेसबुक में लोकप्रियता में मोदी शीर्ष पर } 18

इंद्रेश बोले, विभाजन के जिम्मेदार जिन्ना देशद्रोही

कहा, भगत सिंह देशभक्त थे उनसे नहीं हो सकती जिन्ना की तुलना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में जिन्ना की तस्वीर को लेकर मचे बवाल के बीच बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकारिणी सदस्य और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संस्थापक इंद्रेश कुमार ने भारत विभाजन के लिए जिन्ना को जिम्मेदार ठहराते हुए उन्हें देशद्रोही करार दिया। कहा कि भाजपा सांसद ने अलीगढ़ विवि से उनकी तस्वीर हटाने की मांग की तो एक कांग्रेसी नेता ने कहा, पाकिस्तान भगत सिंह का सम्मान करता है तो हमें जिन्ना का सम्मान करना चाहिए। इंद्रेश ने कहा कि भगत सिंह देशभक्त थे और उनसे जिन्ना की तुलना नहीं हो सकती है।

इंद्रेश यहां विश्व संवाद केंद्र में नारद जयंती एवं पत्रकार सम्मान समारोह को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। कहा, जिन्ना ने विभाजन कराया तो तीन करोड़ परिवार उजड़े और दस लाख से अधिक लोग मारे गए। भगत सिंह के कारण ऐसा कोई संकट नहीं आया। इंद्रेश ने पाकिस्तान को अवैध संतान बताते हुए कहा कि भगवान से दुआ करिये कि यह राष्ट्र समाप्त हो जाए तो कोई दुख नहीं रहेगा। उन्होंने चीनी माल को तलाक देने की भी अपील की। इंद्रेश ने 1947 में मिली आजादी को विभाजन का पर्व बताया। कहा मैं ऐसी आजादी का पर्व नहीं मनाता। इंद्रेश ने कहा कि 30 दिसंबर, 1943 को सुभाष चंद्र बोस ने पोर्ट ब्लेयर में तिरंगा फहराकर भारत की असली आजादी का उद्घोष किया था। इसकी 75वीं वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं। नेहरू और कांग्रेस पर निशाना साधा, जबकि 2019 में मोदी की सरकार आने का दावा किया। उन्होंने मीडिया को सकारात्मक पत्रकारिता का सुझाव दिया।

नारद जयंती पर आयोजित कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते इंद्रेश कुमार। साथ में नरेंद्र भदौरिया और प्रो. केएन सिंह ● जागरण

आयोजन

- नारद जयंती पर विश्व संवाद केंद्र में समारोह आयोजित
- पत्रकार को होना चाहिए स्थान और समय का बोध : कुलपति

समारोह के मुख्य अतिथि उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि आज डिजिटल युग के बावजूद हर जगह मीडिया नहीं पहुंच रहा लेकिन, नारद जी हर जगह पहुंचते थे। लोकमंगल की भावना से हर जगह पहुंचना नारद की विशेषता थी और पत्रकार के लिए भी यह गुण सर्वोपरि होना चाहिए।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पत्रकार को स्थान और समय का बोध होना चाहिए, ऐसा रहने पर लेखनी सही दिशा में चलेगी। समारोह की अध्यक्षता विश्व संवाद केंद्र के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह भदौरिया और संचालन अशोक सिन्हा ने किया। विषय प्रवर्तन आरएसएस के अशोक दुबे ने किया। इस मौके पर पत्रकार कुमार अभिषेक, ईशा जैन, मनीष शर्मा और छायाकार सूरज कुमार को सम्मानित किया गया।

7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 19 संस्करण : उत्तर प्रदेश । उत्तराखंड । हिमाचल । जम्मू-कश्मीर । दिल्ली । हरियाणा । पंजाब । चंडीगढ़

महानगर
वर्ष 21 । अंक 323 । पृष्ठ : 16
मूल्य : चार रुपये या पांच रुपये उड़ान सहित

अमर उजाला

इलाहाबाद
बुधवार, 9 मई 2018
amarujala.com

आज उड़ान
वेडिंग फोटोग्राफी : शौक को बनाएं करियर
उत्तर प्रदेश

पुनश्चर्या कार्यक्रम आज

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालयश् के प्रदेश में स्थित क्षेत्रीय केंद्रों के निदेशकों एवं कार्यालयीय कर्मचारियों का पुनश्चर्या कार्यक्रम नौ मई को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में सुबह 10 उबजे से आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी कुलसचिव प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने दी है। ब्यूरो

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

09 मई, 2018

क्षेत्रीय निदेशकों के लिए एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 09 मई, 2018 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा क्षेत्रीय निदशकों के लिए अभिविन्यास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभिविन्यास कार्यक्रम में अनौपचारिक सत्र को लेकर चार सत्र सम्पन्न हुए। जिसमें क्रमशः प्रवेश की प्रक्रिया, पाठ्क्रम पर उपलब्ध पाठ सामग्री की आपूर्ति, अधिन्यास का मूल्यांकन एवं गुणवत्ता वृद्धि तथा वित्तीय प्रबन्धन पर चर्चा की गयी। उद्घाटन सत्र एवं समापन सत्र की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने की।

कार्यक्रम संयोजक डॉ0 आर.पी.एस. यादव ने अभिविन्यास कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन डॉ0 रामजी मिश्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो0 जी.एस. शुक्ल ने किया। इस अवसर पर वित्त अधिकारी श्री डी.पी. त्रिपाठी, प्रवेश प्रभारी डॉ0 आर. पी. एस. यादव, परीक्षा नियंत्रक डॉ0 जी. के. द्विवेदी, प्रभारी काउन्सलिंग सेल डॉ0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक कृषि डॉ0 पी.पी. दुबे एवं शिक्षा विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी.के. पाण्डेय ने विभिन्न सत्रों में महत्वपूर्ण जानकारी दी। डॉ0 लोकेश शुक्ला द्वारा गणेश वन्दना प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक प्रो0 आर.पी.एम. त्रिपाठी, मेरठ क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक डॉ0 पूनम गर्ग, बरेली क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 आर.बी. सिंह, लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक डॉ0 निरांजलि सिन्हा, कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक डॉ0 अलका वर्मा, वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 सी.के. सिंह, आगरा क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक डॉ0 शुचिता चतुर्वेदी, झांसी क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक डॉ0 रेखा त्रिपाठी, नोएडा क्षेत्रेय केन्द्र की निदेशक डॉ कविता त्यागी, इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 अभिषेक सिंह एवं फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 शशि भूषण त्रिपाठी आदि ने क्षेत्रीय केन्द्र को और प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 रामजी मिश्रा

माननीय कुलपतिजी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 दीप शिखा श्रीवास्तव

गणेश वन्दना प्रस्तुत करते हुए डॉ0 लोकेश शुक्ला

अभिविन्यास कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम संयोजक डॉ0 आर.पी.एस. यादव।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पर्याप्त सम्भावनायें : प्रो0 सिंह

अभिविन्यास कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा में नामांकन अनुपात बढ़ाने के लिए सतत सचेष्ट है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा में समग्र नामांकन अनुपात 25.20 प्रतिशत है। जिसे बढ़ाकर 20.25 तक 30.00 प्रतिशत करने का लक्ष्य सरकार ने निर्धारित किया है। उच्च शिक्षा के इस राष्ट्रीय महायज्ञ में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की एक महती भूमिका होगी। 21 करोड़ जनसंख्या वाले इस प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पर्याप्त सम्भावनायें हैं।

प्रो0 सिंह ने कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय हमारे विश्वविद्यालय के स्तम्भ हैं। इसलिए निदेशकों का प्रशिक्षण एवं अभिविन्यास अतिआवश्यक है जो अभी तक विश्वविद्यालय में आयोजित नहीं हुआ। यह पहला अवसर है जब उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा क्षेत्रीय निदशकों के लिए अभिविन्यास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा की अभी तक प्रदेश में दस क्षेत्रीय कार्यालय हैं और अब 11वें क्षेत्रीय कार्यालय फैजाबाद का उद्घाटन 14 मई 2018 को होगा। जिसके अन्तर्गत छह जिले क्रमशः फैजाबाद, अम्बेडकर नगर, गोण्डा, बस्ती, सुल्तानपुर एवं अमेठी होंगे।

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

अपने विचार व्यक्त करते हुए वित्त अधिकारी श्री डी.पी. त्रिपाठी

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव प्रो0 जी.एस. शुक्ल

टेक्निकल सत्र

मंचासीन कुलसचिव प्रो0 जी.एस. शुक्ल, कार्यक्रम संयोजक डॉ0 आर.पी.एस. यादव एवं निदेशक कृषि डॉ0 पी.पी. दुबे

गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक
डॉ0 आर.पी.एम. त्रिपाठी

बरेली क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक
डॉ0 आर.बी. सिंह

मेरठ क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक
डॉ0 पूनम गर्ग

लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक
डॉ0 निरांजलि सिन्हा

वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक
डॉ0 सी.के. सिंह

कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक
डॉ0 अलका वर्मा

आगरा क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक
डॉ0 शुचिता चतुर्वेदी

फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक
डॉ0 शशि भूषण त्रिपाठी

इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक
डॉ0 अभिषेक सिंह

नोएडा क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक
डॉ कविता त्यागी

झांसी क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक
डॉ0 रेखा त्रिपाठी

निदेशक मानविकी विद्याशाखा
डॉ0 आर.पी.एस. यादव

शिक्षा विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक
प्रो0 पी.के. पाण्डेय

निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा
डॉ0 पी.पी. दुबे

निदेशक विज्ञान विद्याशाखा
डॉ0 आशुतोष गुप्ता

परीक्षा नियंत्रक
डॉ0 जी0के0 द्विवेदी

गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक प्रो0 आर.पी.एम. त्रिपाठी, मेरठ क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक डॉ0 पूनम गर्ग, बरेली क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 आर.बी. सिंह, लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक डॉ0 निरांजलि सिन्हा, कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक डॉ0 अलका वर्मा, वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 सी.के. सिंह, आगरा क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक डॉ0 शुचिता चतुर्वेदी, झांसी क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक डॉ0 रेखा त्रिपाठी, नोएडा क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक डॉ कविता त्यागी, इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 अभिषेक सिंह एवं फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 शशि भूषण त्रिपाठी आदि ने क्षेत्रीय केन्द्र को और प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

प्रतिवेदन

आज दिनांक 09.05.2018 को क्षेत्रीय केन्द्र निदेशकों एवं क्षेत्रीय केन्द्रों के कार्यालय कर्मचारियों के अभिविन्यास कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में निम्न सत्रों के माध्यम से संचालित हुआ :–

1. अनौपचारिक सत्र
2. उद्घाटन सत्र
3. प्रथम तकनीकि सत्र – वित्त प्रबन्धन–श्री डी.पी. त्रिपाठी, वित्त अधिकारी ने जानकारी दिया।
4. द्वितीय तकनीकि सत्र – प्रवेश प्रक्रिया के बारे में – कार्यक्रम संयोजक डॉ0 आर.पी.एस. यादव व तकनीकि अधिकारियों ने PPT के माध्यम से प्रत्येक Step को बताया।

अनौपचरिक सत्र बड़ा ही उत्साह वर्धक रहा क्षेत्रीय निदेषकों के द्वारा बहुत ही महत्वपूर्ण सुझाव दिए गये।

- **गोरखपुर** के क्षेत्रीय निदेशक, डॉ0 आर. पी. एम. त्रिपाठी जी ने प्रवेश बढ़ाने के लिए सुझाव दिए –
  - Verification जल्द हो।
  - परीक्षाफल व पुस्तकों का मुहैया कराया जाना।
  - केन्द्र से सम्बन्धित महाविद्यालयों, Agriculter College, Engineering College की सूची भी दी।
- **बरेली** के क्षेत्रीय निदेशक, डॉ0 आर.बी. सिंह के महत्वपूर्ण सुझाव दिए तथा अमरोहा को मेरठ से हटाकर बरेली से जोड़ने का प्रयास किया। गिने चुने शहरों में ऑफलाइन प्रवेश कराने का निवेदन किए।
- **मेरठ** की क्षेत्रीय निदेशक, डॉ0 पूनम गर्ग के महत्वपूर्ण सुझाव दिए तथा कालेज की सूची भी दी।
- **लखनऊ** की क्षेत्रीय निदेशक, डॉ0 निरांजली सिन्हा ने भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए।
- **वाराणसी** के क्षेत्रीय निदेशक, डॉ0 सी.के. सिंह के केन्द्र पर ज्यादा छात्र संख्या है तो क्षेत्रीय कार्यालय पर सुविधा बढ़ाने का निवेदन किया।

- **कानपुर** की क्षेत्रीय निदेशक, डॉ0 अलका वर्मा ने क्षेत्रीय केन्द्रों पर लाइब्रेरी बनाने की माँग की जिससे पाठ्य सामग्री न पहुँचने की स्थिति में छात्र पढ़ सकें तथा अधिन्यास लिख सकें।

- **आगरा** की क्षेत्रीय निदेशक, डॉ0 शुचिता चतुर्वेदी ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

- **फैजाबाद** के क्षेत्रीय निदेशक, डॉ0 शषि भूषण त्रिपाठी ने भी विश्वविद्यालय के विस्तार हेतु संकल्प दुहराया।

- **इलाहाबाद** के क्षेत्रीय निदेशक, डॉ0 अभिषेक सिंह ने उत्साहवर्धक कार्य योजना प्रस्तुत की।

- **गाजियाबाद** की क्षेत्रीय निदेशक, डॉ0 कविता त्यागी अपने केन्द्र की समस्याओं से अवगत कराई तथा केन्द्र के विस्तार हेतु सुझाव दिए।

- **झांसी** की क्षेत्रीय निदेशक, डॉ0 रेखा त्रिपाठी ने छात्र संख्या बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए और कहा कि अध्ययन केन्द्र व अन्य कालेजों पर छात्र समागम कर राजर्षि टण्डन विश्वविद्यालय की विशेषताएं, विविधताएं और अपने कार्यक्रमों से अवगत कराएं।
  - प्रेस विज्ञप्ति जारी किए जॉय।
  - प्रचार प्रसार व्यापक तरीके से किए जाय
  - छात्रों को एस.एम.एस. के माध्यम से भी सूचना दें।

उद्घाटन सत्र में मा0 कुलपति जी ने अभिविन्यास कार्यक्रम की उपयोगिता के बारे में बताया। यह अपने तरह का अभिनव एवं प्रथम प्रयास है ताकि हमारे क्षेत्रीय केन्द्र सक्षम हो सके ताकि विश्वविद्यालय व अध्ययन केन्द्र के बीच सार्थक पहल कर विश्वविद्यालय की कार्य योजना का सफल संचालन कर सके। मा0 कुलपति जी ने अपनी कार्य योजना, विधा सभी संसाधन उपलब्ध कराने का संकल्प दुहराया।

12:00 बजे प्रथम तकनीकि सत्र हुआ जिसमें प्रथम कड़ी में वित्तीय प्रबन्धन पर श्री धर्मेन्द्र त्रिपाठी जी ने वित्तीय प्रबन्धन पर विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया तथा प्रतिभागियों के पश्नों का समाधान प्रस्तुत किया।

द्वितीय सत्र प्रवेष से सम्बन्धित था जिसमें प्रवेश प्रभारी के साथ तकनीकि अधिकारी श्री धीरज रावत, श्री नीरज मिश्र, श्री शहबाज अहमद ने PPT के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। पुनः प्रतिभागियों ने अपनी जिज्ञाषाएं शांत की।

भोजनावकाश के बाद **तृतीय तकनीकि सत्र** परीक्षा व अधिन्यास का था जिसमें परीक्षा नियंत्रक ने परीक्षा की शुचिता पर अपनी प्रतिबद्धता दुहारी और सबका सहयोग की अपील की।

प्रश्नों का जवाब दिया

यूपीआरटीओयू के माननीय कुलपति ने जनता वैदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नये अध्ययन केन्द्र का उद्घाटन किया

दिनांक 14 मई, 2018 को जनता वैदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मेंहदावल जनपद संतकबीरनगर में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के नये अध्ययन केन्द्र के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी रहे। समारोह की अध्यक्षता बंका सिंह जी और संचालन आरएसएस के सहसंगठन मंत्री महेन्द जी ने किया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ0 प्रवीन कुमार पाण्डेय ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। महाविद्यालय के संरक्षक गजेन्द्र नाथ उर्फ मुन्ना राय पूर्व प्राचार्य डॉ0 अनिल सिंह, डॉ0 जय प्रकाश सिंह, डॉ0 चन्द्र प्रकाश, डॉ0 दिनेश राम त्रिपाठी, डॉ0 अजय तिवारी, डॉ0 निर्मला राय, डॉ0 रेनु पाण्डेय, डॉ0 शैलेष कुमार पाण्डेय, डॉ0 नीलम त्रिपाठी, डॉ0 सुरेन्द्र शुक्ल समेत कई गणमान्य विभूतियाँ मौजूद रहें।

जनता वैदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिवार ने माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वगत किया।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

जनता वैदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय के उदघाटन समारोह में बोलते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना खासकर दूरदराज व ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों विशेष कर उच्च शिक्षा से वंचित लोगों को शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने के लिये की गयी है। स्वतंत्र रूप से योग्यता हासिल करने के इच्छुक लोगों के लिये यह एक सार्थक साबित हो रहा है। इनके लिए विश्श्वविद्यालय में कई योजनाएं संचालित है। पाठ्यक्रम दूरस्थ पद्धति द्वारा संचालित हैं। ग्रामीण विकास डिप्लोमा पाठ्यक्रम में दाखिले के लिये उम्मीदवार का स्नातक होना अनिवार्य है। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्श्वविद्यालय ने बारहवीं कक्षा में भी मान्यता दी है। ग्रामीण विकास में डिप्लोमा पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष की है। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्श्वविद्यालय में एक से तीन वर्ष का पाठ्यक्रम है। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों विशेष रूप से देरी से पढाई शुरू करने वालों, आस पास उच्चतम शिक्षा के साधन उपलब्ध नहीं हो पाने वालों, सेवारत व्यक्तियों व शैक्षिक योग्यता बढाने के लिए इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है।

खुले विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठयक्रम विकल्प देते है, जिसमें वे प्रवेशार्थी प्रवेश ले सकते हैं, जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है।

अमर उजाला
गोरखपुर
मंगलवार, 15 मई 2018
amarujala.com

सख्ती सुप्रीम कोर्ट ने कहा-अपनी दुकानों से दवा खरीदने को मजबूर न करें अस्पताल...11 उत्तर प्रदेश

अपना शहर संतकबीरनगर अमर उजाला गोरखपुर मंगलवार, 15 मई 2018

'मुक्त विश्वविद्यालय की सुविधाओं का लाभ उठाएं'

अमर उजाला ब्यूरो

मेंहदावल।

जनता वैदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सोमवार को उत्तरप्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) के उपकुलपति डॉ. के एन सिंह ने स्टडी सेंटर का उद्घाटन किया। उन्होंने लोगों को मुक्त विश्वविद्यालय की सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। कहा कि छात्र इन सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना खासकर दूरदराज व ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों विशेषकर उच्च शिक्षा से वंचित लोगों को शिक्षण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए की गई है। स्वतंत्र रूप से योग्यता हासिल करने के इच्छुक लोगों के लिए यह एक सार्थक साबित हो रहा है। इनके लिए विश्वविद्यालय में कई योजनाएं संचालित है। पाठ्यक्रम दूरस्थ पद्धति द्वारा संचालित हैं। ग्रामीण विकास डिप्लोमा पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए उम्मीदवार का स्नातक होना अनिवार्य है। पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने बारहवीं कक्षा में भी मान्यता दी है। ग्रामीण विकास में डिप्लोमा पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष की है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एक से तीन वर्ष तक का पाठ्यक्रम है। दूरस्थ शिक्षापद्धत्ति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, आसपास उच्चतम शिक्षा के साधन उपलब्ध नहीं होने वालों, सेवारत व्यक्तियों व शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के

यूपीआरटीओयू के उपकुलपति ने जनता वैदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्टडी सेंटर का उद्घाटन किया

इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है।

खुले विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं, जिनमें वे प्रवेशार्थी प्रवेश ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है। प्राचार्य डॉक्टर प्रवीण कुमार पांडेय ने अतिथियों को आभार ज्ञापित किया। समारोह की अध्यक्षता बंका सिंह और संचालन आरएसएस के सहसगंठन मंत्री महेंद्र ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के संरक्षक गजेंद्रनाथ उर्फ मुन्ना राय, पूर्व प्राचार्य डॉ.

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति ने स्टडी सेंटर का किया उद्घाटन।

अनिल सिंह, जयप्रकाश सिंह, चंद्रप्रकाश, दिनेश राम त्रिपाठी, डॉक्टर अजय तिवारी, निर्मला राय, रेनू पांडेय, शैलेष कुमार पांडेय, नीलम त्रिपाठी, सुरेंद्र शुक्ल समेत कई मौजूद रहें।

दैनिक जागरण

www.jagran.com

सीबीआइ ने लिए डॉक्टरों से लिखित बयान } 9

योगी के मंत्रिमंडल में अपना दल की होगी दावेदारी } 9

राष्ट्र के विकास के लिए चिंतन जरूरी

मेहदावल में कार्यक्रम को संबोधित करते राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह व उपस्थित लोग

आयोजन

- मेहदावल में राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र की शुरुआत पर बोले कुलपति
- 2025 तक उच्च शिक्षा में प्रवेश का लक्ष्य 30 प्रतिशत करने का लक्ष्य
- रोजगार पाने के लिए अपनी क्षमता का मूल्यांकन करें युवा : महेंद्र

जागरण संवाददाता, मेहदावल, संतकबीर नगर : देश को विकास की राह पर ले जाने के लिए हर व्यक्ति को तीन स्तर के सपनों को पूरा करने का प्रयास करना चाहिए। व्यक्ति, परिवार और राष्ट्र के लिए समन्वित चिंतन से ही किए गए प्रयासों का सही परिणाम सामने आता है। जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए औपचारिक के साथ ही अनौपचारिक शिक्षा बेहद आवश्यक है।

मेहदावल कस्बा स्थित जनता वैदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय पर राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के अध्ययन केंद्र की स्थापना करने के दौरान कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सपनों को पूरा करने के लिए मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा सतत प्रयास किया जा रहा है। इसके माध्यम से पढ़ने के लिए आयु और समय की कोई सीमा निर्धारित नहीं है। जिन्हें किसी कारण से समाज में अवसर नहीं मिल पाता है उन्हें मुक्त विश्वविद्यालय के माध्यम से पुस्तकें, परामर्श और विशेषज्ञ उपलब्ध करवाकर डिग्री और डिप्लोमा कोर्स करवाया जाता है। उन्होंने कहा कि 111 परंपरागत और रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के माध्यम से उच्च शिक्षा का प्रसार करने का कार्य किया जा रहा है। देश में उच्च शिक्षा का प्रवेश दर 25.24 है जबकि पूरे विश्व का औसत 36 प्रतिशत है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 2025 तक इसे 30 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री महेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षा के दौरान सभी को अपनी क्षमता का मूल्यांकन करके सही दिशा में प्रयास करना चाहिए। इस दौरान बंका सिंह, दिनेश राम त्रिपाठी, डा. जय प्रकाश सिंह, महाविद्यालय के संरक्षक गजेंद्र नाथ राय, संजय पांडेय, प्राचार्य डा. प्रवीण पांडेय, डा. अनिल सिंह, अजय तिवारी, विष्णु पांडेय, चंद्र प्रकाश समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में हिंसा, सात मरे पेज 9 | दोनों पैर गंवाने के बाद भी एवरेस्ट फतह किया पेज 14

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

विद्यार्थियों के लिए सहायक होगा केन्द्र

मेंहदावल | हिन्दुस्तान संवाद

उद्घाटन समारोह

- युवाओं की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाने की चाहत
- अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रोफेशनल शिक्षा चाहते है छात्र

उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के कुलपति कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि नयी पीढ़ी की इच्छाओं के अनुरूप शिक्षा ढांचा बनाने की जरूरत है। क्योंकि 21 वीं सदी के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाना चाहते हैं।

वह मल्टीनेशनल कंपनियों में अच्छे पैकेज के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रोफेशनल शिक्षा चाहते हैं या फिर एक सफल उद्यमी के तौर पर खुद का कारोबार स्थापित कर नयी बुलंदियों का छूने की इच्छा रखते हैं।

श्री सिंह सोमवार को मेंहदावल के जनता वैदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय पर उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय केन्द्र के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन एक भूगोल है। जो स्थान और समय दोनों पर ध्यान केंद्रित करता है।

उसे सफलता अवश्य मिलती है। यह केन्द्र 12वीं एवं स्नातक पास विद्यार्थियों को अलग-अलग क्षेत्रों में कैरियर की नयी संभावनाओं के बारे मार्गदर्शन करने के लिए विभिन्न कोर्स उपलब्ध करायेगा।

महाविद्यालय के संरक्षक गजेन्द्र नाथ राय ने कहा कि मेंहदावल में मुक्त विद्यालय के केन्द्र की स्थापना से क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में पैदा हो रही नयी कैरियर संभावनाओं की जानकारी के लिए इधर-उधर भटकना नही पड़ेगा। विद्यालय के प्राचार्य डा प्रवीण कुमार पाण्डेय ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए यहां उच्च स्तरीय विद्यार्थी सुविधा केंद्र स्थापित किया गया है। यहां यूनिवर्सिटी द्वारा प्रोफेशनल कोर्स को विद्यार्थी अपने सहूलियत के अनुसार कर सकेंगे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस दौरान संजय कुमार पांडेय, अजय तिवारी, बृजेश राय, अनामिका सिंह, जय कुमार पांडेय, सुरेन्द्र शुक्ला, विष्णु पांडेय, जगदीश यादव, अरविंद चौरसिया आदि लोग मौजूद रहे।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

14 मई, 2018

विश्व संवाद केन्द्र, गोरखपुर के तत्वाधान में आद्य पत्रकार देवर्षि नारद–जयन्ती स्मृति समारोह का आयोजन दिनांक 14 मई, 2018 को सायं 3:30 बजे दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के संवाद भवन में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी, मुख्य वक्ता श्री अजय जी, विचार विभाग प्रमुख, स्वदेशी जागरण मंच संयुक्त क्षेत्र (उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड) एवं समारोह की अध्यक्षता प्रो0 (श्रीमती) विनोद सोलंकी जी, पूर्व अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने की।

इस अवसर पर सम्मानित पत्रकारों में श्रेताभ रंजन राय, दुर्गेश यादव, जगदंबा त्रिपाठी, अनिल सिंह, उपेन्द्र द्विवेदी, राज श्रीवास्तव, सर्वेश त्रिपाठी, अब्दुल तेज प्रताप शाही अजय कुमार सिंह, धर्मेन्द सिंह व राकेश राय शामिल रहें।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वगत करते हुए विश्व संवाद केन्द्र परिवार के सदस्य।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वगत करते हुए विश्व संवाद केन्द्र परिवार के सदस्य।

राष्ट्रीय मूल्यों के बिना पत्राकारिता अस्तित्वहीन : प्रो0 के0एन0 सिंह

मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्विद्यालय इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय मूल्यों से युक्त पत्रकारिता ही सच्चे अर्थो में देश के कल्याण का बेहतर माध्यम बन सकती है एवं राष्ट्रनिष्ठ पत्रकार सदैव निजी भावनाओं और तुच्छ तत्वों की अपेक्षा विराट राष्ट्रीय महत्व को अपने सामने रखता है। वह केवल खबरें लिखते और उन्हें लोगों तक पहुंचाता ही नहीं बल्कि भविष्य में सुन्दर समाज और बदलाव की कहानी भी बीज रुप में लिख देता है।

मुख्य वक्ता स्वदेशी जागरण मंच संयुक्त क्षेत्र के विचार विभाग प्रमुख अजय ने कहा कि पत्रकाारिता आजीविका के लिए रोजगार का चुनाव नहीं बल्कि समाज की पीड़ा और विचारों की अग्नि को भावनात्मक शब्दों की धार पर जन–जन तक पहुंचाने का भागीरथ श्रम है। भारतवर्ष के सांस्कृतिक इतिहास में यदि हम पत्रकारिता के विचार सूत्र खोजते हैं तो हमें देवर्षि नारद का व्यक्तित्व, श्रीमदभागवगीता के आदर्श, धार्मिक पुनर्जागृति के विचार, राष्ट्रीय आंदोलन के क्रांतिकारी दस्तावेज और राष्ट्रवाद के उद्घोष के मंत्र सहज प्राप्त होते हैं।

यूनिक कोड से जानिए दवा नकली है या असली पेज15 | इजरायल की गोलीबारी में 38 फलस्तीनी मरे पेज18

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

सच बोलूंगा

मुंबई आतंकी हमले ने पाकिस्तान का हाथ बताकर घिरे पाक के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कहा कि वह सच बोलेंगे, भले ही इसका कुछ भी परिणाम हो। पेज18

राष्ट्रीय मूल्यों के बिना पत्रकारिता अस्तित्वहीन: प्रो. केएन सिंह

गोरखपुर | कार्यालय संवाददाता

पत्रकारिता आजीविका के लिए रोजगार का चुनाव नहीं है बल्कि समाज की पीड़ा और विचारों की अग्नि को भावनात्मक शब्दों की धार पर जन जन तक पहुंचाने का भगीरथ श्रम है। भारतवर्ष के सांस्कृतिक इतिहास में यदि हम पत्रकारिता के विचारसूत्र खोजते हैं तो हमें देवर्षि नारद के व्यक्तित्व, श्रीमद्भगवद्गीता के आदर्श, धार्मिक पुनर्जागृति के महान विचार, भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के क्रांतिकारी दस्तावेज और राष्ट्रवाद के उद्घोष के मन्त्र सहज प्राप्त होते हैं।

यह बातें स्वदेशी जागरण मंच के विचार विभाग प्रमुख अजय ने डीडीयू के संवाद भवन में आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता कही। विश्व संवाद केन्द्र एवं प्रचार विभाग गोरक्षप्रान्त द्वारा आयोजित नारद स्मृति एवं पत्रकार सम्मान समारोह के अवसर पर आयोजित 'पत्रकारिता में राष्ट्रीय मूल्य' विषयक संगोष्ठी में उन्होंने आगे कहा कि डॉ. आम्बेडकर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जैसे चिंतकों का चिंतन पत्रकारिता के लिए सर्वथा आदर्श है। भूमण्डलीकरण के युग में जहां सूचना को ज्ञान के रूप में स्वीकार किया जाने लगा है वहीं प्रगतिशीलता और सनसनी के नामपर स्वच्छंदता को प्रोत्साहित करने वाली पत्रकारिता राष्ट्र के मूल्यपरक तत्व का नाश कर रही है। हमें इसका वैचारिक रूप से सामना करना पड़ेगा।

विवि संवाद भवन में आयोजित संगोष्ठी में प्रो. केएन सिंह, प्रो. विनोद सोलंकी व अन्य

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय मूल्यों से युक्त पत्रकारिता ही सच्चे अर्थों में देश के कल्याण का बेहतर माध्यम बन सकती है। एक राष्ट्रनिष्ठ पत्रकार सदैव निजी भावनाओं और तुच्छ तत्वों की अपेक्षा विराट राष्ट्रीय महत्व को अपने सामने रखता है। वह केवल खबरें लिखता और उन्हें लोगों तक पहुंचाता ही नहीं बल्कि भविष्य में सुंदर समाज और बदलाव की कहानी भी बीज रूप में लिख देता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं डीडीयू के अंग्रेजी विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद सोलंकी ने कहा कि राष्ट्र हमारे लिए जमीन का टुकड़ा नहीं है, अपितु यह हमारे लिए परम पुनीत वह भाव है जिसके लिए श्रद्धापूर्वक हम बलिदान करने को सदैव तत्पर रहते हैं।

अमर उजाला

amarujala.com

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-अपनी दुकानों से दवा खरीदने को मजबूर न करें अस्पताल...11 उत्तर प्रदेश

गोरखपुर अमर उजाला 7

समाज की पीड़ा व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है पत्रकारिता : अजय

गोरखपुर। स्वदेशी जागरण मंच के विभाग प्रचार प्रमुख अजय ने कहा कि पत्रकारिता जीविका के लिए रोजगार का चुनाव नहीं, बल्कि समाज की पीड़ा और विचारों को सही जगह पहुंचाने का सशक्त माध्यम है।

प्रो केएन सिंह

नारद स्मृति एवं पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन

वह विश्व संवाद केंद्र एवं प्रचार विभाग गोरक्ष प्रांत की ओर विश्वविद्यालय के दीक्षा भवन में आयोजित नारद स्मृति एवं पत्रकार सम्मान समारोह के अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय के कुलपति केएन सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय मूल्यों से युक्त पत्रकारिता ही सच्चे अर्थों में देश के कल्याण का माध्यम बन सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की पूर्व विभागाध्यक्ष विनोद सोलंकी ने की। अतिथियों का स्वागत उपेंद्र द्विवेदी ने किया। मुकेश खांडेकर, सुभाष, डॉ. पृथ्वी राज सिंह, डॉ. महेंद्र अग्रवाल, अरूण कुमार दुबे आदि रहे।

दैनिक जागरण

www.jagran.com

पत्रकारिता आजीविका के लिए रोजगार का चुनाव नहीं

संवाद भवन में आयोजित नारद सम्मान में सम्मानित पत्रकार

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : पत्रकारिता आजीविका के लिए रोजगार का चुनाव नहीं बल्कि समाज की पीड़ा और विचारों की अग्नि को भावनात्मक शब्दों की धार पर जन-जन तक पहुंचाने का भगीरथ श्रम है। भारतवर्ष के सांस्कृतिक इतिहास में यदि हम पत्रकारिता के विचार सूत्र खोजते है तो हमें देवर्षि नारद का व्यक्तित्व, श्रीमद्भगवद्गीता के आदर्श, धार्मिक पुनर्जागृति के विचार, राष्ट्रीय आंदोलन के क्रांतिकारी दस्तावेज और राष्ट्रवाद के उद्घोष के मंत्र सहज प्राप्त होते हैं।

यह बातें स्वदेशी जागरण मंच संयुक्त क्षेत्र के विचार विभाग प्रमुख अजय ने कहीं। वह विश्व संवाद केंद्र एवं प्रचार विभाग गोरक्षप्रांत द्वारा सोमवार को आयोजित नारद स्मृति एवं पत्रकार सम्मान समारोह में 'पत्रकारिता में राष्ट्रीय मूल्य' विषयक संगोष्ठी को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय मूल्यों से युक्त पत्रकारिता ही सच्चे अर्थों में देश के कल्याण का बेहतर माध्यम बन सकती है। अध्यक्षता गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद सोलंकी ने की। सम्मानित पत्रकारों में श्वेताभ रंजन राय, दुर्गेश यादव, जगदंबा त्रिपाठी, अनिल सिंह, उपेंद्र द्विवेदी, राज श्रीवास्तव, सर्वेश त्रिपाठी, अब्दुल, तेज प्रताप शाही, अजय कुमार सिंह, धर्मेंद्र सिंह व राकेश राय शामिल हैं।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

14 मई, 2018

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के 11वें क्षेत्रीय केन्द्र का हुआ उद्घाटन

दिनांक 14.05.18 को बी0एन0एस0 गर्ल्स डिग्री कालेज बाईपास रोड परिक्रमा मार्ग जनौरा, फैजाबाद के कैम्पस में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के 11वें क्षेत्रीय केन्द्र फैजाबाद का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद के मा0 कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित एवं अध्यक्षता राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। अभी तक उ0प्र0 में राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के 10 क्षेत्रीय कार्यालय थे । फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत 6 जिले क्रमशः फैजाबाद, अमेठी, सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर, बस्ती एवं गोण्डा होंगे। इसके पूर्व ये जिले गोरखपुर, लखनऊ एवं इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आते थे। विश्वविद्यालय के ध्येय वाक्य 'शिक्षा शिक्षार्थी के द्वार' के अनुरूप मा0 कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह ने लोगों तक उच्च शिक्षा की पहुंच को बेहतर ढंग से पहुंचाने के लिये 11वें क्षेत्रीय केन्द्र फैजाबाद को बनाने का निर्णय लिया।

अतिथियों को पुष्प गुच्छ साल एवं स्मृति चिन्ह देकर राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव डॉ0 सुखराम मथुरिया एवं क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 शशिभूषण राम त्रिपाठी ने सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन अवध विवि के कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ0राजेश सिंह ने किया।

आभार ज्ञापन उप–कुलसचिव डॉ0 सुखराम मथुरिया ने किया। इस कार्यक्रम में बी0एन0 गर्ल्स डिग्री कालेज के प्रबन्धक लालजी सिंह, हनुमान गढ़ी के महन्त राजूदास जी, अवध विवि के चीफ प्राक्टर प्रो0 आर0एन0 राय, राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कर्मचारी पवन कुमार उपाध्याय, दुर्वेश सिंह, प्रो0 वी0के0 श्रीवास्तव, डॉ0 अंजनी कुमार सिंह, डॉ0 विवेक कुमार सिंह, डॉ0 आदित्य प्रकाश दूबे, डॉ0 गोपाल नन्दन श्रीवास्तव, डॉ0 वीरेन्द्र कुमार पाण्डेय, डॉ0 नीलमणि सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, डॉ0 जितेन्द्र सिंह , श्री विश्वामित्र राम त्रिपाठी, भाजपा के वरिष्ठ नेता विशम्भर सिंह, अवधेश सिंह, डॉ0 शिवेन्द्र सिंह, धनंजय सिंह, एल0बी0 सिंह, राजकरन महाविद्यालय के प्रबन्धक शैलेन्द्र सिंह, पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष मानस भूषण राम त्रिपाठी, आशुतोष शुक्ल, प्रेम कुमार सिंह, के0एन0 सिंह, अनिकेश मिश्र, सन्तोष कुमार सिंह एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के 11वें क्षेत्रीय केन्द्र फैजाबाद का उद्घाटन करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित एवं विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए अवध विवि के कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ0राजेश सिंह एवं मंचासीन माननीय अतिथि।

दीप प्रज्ज्वलित

कर कार्यक्रम का

उद्घाटन करते हुए

माननीय अतिथिगण।

सरस्वती वन्दना के समय खडे हुए माननीय अतिथि।

मुख्य अतिथि प्रो0 मनोज दीक्षित जी को पुष्प गुच्छ एवं अंगवस्त्र प्रदान कर उनका सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति जी।

विश्वविद्यालय के मा0कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह जी को पुष्प गुच्छ साल एवं स्मृति चिन्ह देकर राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव डॉ0 सुखराम मथुरिया एवं क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 शशिभूषण राम त्रिपाठी

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

कार्यक्रम का अध्यक्षीय उदबोधन करते हुये राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने विस्तार से विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठयक्रम के बारे में बताया। प्रो0 सिंह ने उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर कम नामांकन अनुपात 25.2 प्रतिशत पर चिन्ता व्यक्त करते हुये उ0प्र0 सरकार की मंशा के अनुरूप जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बडे इस प्रदेश में कैसे नामांकन दर बढ़े इस पर विस्तृत चर्चा की।

प्रो0 मनोज दीक्षित

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 मनोज दीक्षित ने सम्बोधित करते फैजाबाद में क्षेत्रीय केन्द्र खुलने पर प्रसन्नता व्यक्त की और राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह को शुभ कामना दी और साथ ही साथ इस विश्वविद्यालय के साथ–साथ काम करने की प्रतिबद्धता व्यकत की।

लखनऊ, गुरुवार
17 मई 2018
अयोध्या (फैजाबाद)
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 20

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

वार्न से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की प्रेरणा मिली : कुलदीप } 16
पत्रकारिता मिशन है, कमीशन नहीं : वेंकैया } 17

खुला राजर्षि टंडन मुक्त विवि का क्षेत्रीय कार्यालय

जासं, फैजाबाद : राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने जिले में राज्य का 11 वां केंद्र खोला है। जनौरा स्थित बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज में विवि का केंद्र खोला गया। यहां से परिक्षेत्र के छह जिलों के केंद्र को संचालित किया जाएगा। इसमें फैजाबाद के साथ ही अमेठी, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर, बस्ती व गोंडा है। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह व डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित ने केंद्र का उद्घाटन किया।

मुख्य अतिथि अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित ने कहाकि केंद्र के खुलने का सीधा लाभ छात्र-छात्राओं को मिलेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों के कम नामांकन पर भी चिंता जताई। कहाकि उच्च शिक्षा में

बीएनएस डिग्री कालेज मे उद्घाटन समारोह को संबोधित करते राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. केएन सिंह ● जागरण

ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों का नामांकन होना चाहिए। कुलपति ने कहाकि इस केंद्र की शुरुआत से विद्यार्थियों को पढ़ाई के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। कार्यक्रम का संचालन अविवि कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष डॉ. राजेश सिंह ने किया। राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव डॉ. सुखराम व क्षेत्रीय निदेशक डॉ. शशिभूषण त्रिपाठी ने अतिथियों को सम्मानित किया। इस मौके पर अयोध्या हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास, अविवि के मुख्य नियंता प्रो. आरएन राय, कॉलेज के प्रबंधक लालजी सिंह, प्रो. वीके श्रीवास्तव, डॉ. अंजनी सिंह, डॉ. विवेक सिंह, डॉ. आदित्य दुबे, डॉ. जितेंद्र सिंह, विशंभर सिंह, अवधेश सिह, डॉ. शिवेंद्र सिंह, धनंजय सिंह व पवन उपाध्याय, दुर्गेश सिंह आदि थे।

साकेत में मौखिक परीक्षा 22 से

संसू, फैजाबाद : साकेत महाविद्यालय की मौखिक परीक्षा के अंतर्गत एमए उत्तार्द्ध संस्कृत साहित्य विषय के संस्थागत एवं व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की मौखिकी परीक्षा 22 मई को सुबह साढ़े आठ बजे से संस्कृत विभाग में संपन्न होगी, जिसमें ढोंढेराम पीजी कॉलेज सेवरा, शांति स्मारक महाविद्यालय, देशदीपक महाविद्यालय बीकापुर व साकेत महाविद्यालय के संस्थागत एवं व्यक्तिगत परीक्षार्थी शामिल होंगे। यह जानकारी डॉ. अभिषेकदत्त त्रिपाठी ने दी।

is

अपराधियों का ऑनलाइन डोजियर बनेगा:डीजीपी पेज 04
केंद्र सरकार जल्द ही ड्रोन नीति जारी करेगी पेज 14

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

विवि में खुला राजर्षि टंडन का क्षेत्रीय केन्द्र

फैजाबाद | हिन्दुस्तान संवाद

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के 11वें क्षेत्रीय केन्द्र का बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज बाईपास परिक्रमा मार्ग जनौरा में कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित और कुलपति प्रो. केएन सिंह ने फीता काटरक समारोह पूर्वक उदघाटन किया। इस मौके पर क्षेत्री केन्द्र के खोलने के मकसद से अवगत कराते हुए हर व्यक्ति तक उच्च शिक्षा पहुंचाने पर चर्चा की।

अवध विवि में राजर्षि टण्डन मुक्त विवि के क्षेत्रीय केन्द्र का उदघाटन करते प्रो. दीक्षित

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अवध विवि के कुलपति प्रो. दीक्षित ने कहा कि जिले में मुक्त विवि का क्षेत्रीय केन्द्र खुलने से उच्च शिक्षा को नया आयाम मिलेगा। उन्होंने कहा कि अवध विवि के साथ काम करके इसे बेहतर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा से लोग लाभान्वित हो सकें। प्रो. दीक्षित ने कहा कि मैं स्वयं इग्नू से जुड़ा हूं और इसके बारे में बेहतर तरीके से जनता हूं। इग्नू के कोर्स में स्वयं की टूरिज्म पर लिखी पुस्तक पढ़ाई जाती है। उन्होंने कहा कि केन्द्र के लिए हरसंभव मदद के लिए तत्पर रहूंगा। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सिंह ने उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर कम नामांकन होने पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जनसंख्या की दृष्टि से यूपी में नामांकन दर बढ़ाने पर जोर देना होगा। उन्होंने मुक्त विवि के केन्द्र की चर्चा करते हुए बताया कि फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत अमेठी, सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर, बस्ती एवं गोण्डा जिले शामिल हैं।

समारोह

- राजर्षि टण्डन मुक्त विवि के 11वें क्षेत्रीय केन्द्र का हुआ उदघाटन
- मुक्त विवि के कुलपति प्रो. सिंह ने उच्च शिक्षा में नामांकन दर कम होने पर जताई चिंता

इसके पूर्व गोरखपुर, इलाहाबाद व लखनऊ में क्षेत्रीय केन्द्र खोले जा चुके हैं। समारोह में मुक्त विवि के उपकुलसचिव डॉ. सुखराम मथौरिया व क्षेत्रीय निदेशक डॉ. शशिभूषण राम त्रिपाठी ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ, शाल व स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। संचालन अवध विवि कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ. राजेश सिंह ने किया। समारोह में प्रबंधक लालजी सिंह, महन्त राजूदास, विवि के कुलानुशासक प्रो. आरएन राय, प्रो. वीके श्रीवास्तव, डॉ. विनोद कुमार श्रीवास्तव, डॉ. शैलेन्द्र वर्मा, डॉ. अंजनी कुमार सिंह, डॉ. विवेक कुमार सिंह, डॉ. आदित्य प्रकाश दूबे, डॉ. जितेन्द्र सिंह, डॉ. नीलमणि सिंह, डॉ. शिवेन्द्र सिंह, डॉ. गोपालनंदन श्रीवास्तव, डॉ. वीरेन्द्र कुमार पाण्डेय, पवन कुमार उपाध्याय, दुर्गेश सिंह, भाजपा नेता विशम्भर सिंह, अवधेश सिंह, शैलेन्द्र सिंह, मानसभूषण राम त्रिपाठी, कृष्ण कुमार सिंह, आशुतोष शुक्ल, प्रेम कुमार सिंह, केएन सिंह, अनिकेष मिश्र, संतोष कुमार सिंह व अन्य मौजूद रहे।

अमर उजाला
सुप्रभात
my city
फैजाबाद
बृहस्पतिवार • 17.05.2018

04 चार घंटे बाद तेंदुआ पिंजड़े में कैद राहत

राजर्षि टंडन मुक्त विवि के 11 वें केंद्र का फीता काटकर उद्घाटन करते कुलपति।

राजर्षि टंडन मुक्त विवि का 11 वां केंद्र खुला

फैजाबाद। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनोज दीक्षित ने कहा कि ओपन यूनिवर्सिटी के छात्रों की संख्या आज भी यूनिवर्सिटी के छात्रों की अपेक्षा चार गुना है। ओपन यूनिवर्सिटी के स्टडी मिटेरियल अपने आप में पूर्ण है। इसलिए यहां के छात्रों को शिक्षकों की नहीं बल्कि काउंसलर की आवश्यकता होती है। कुलपति राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के फैजाबाद में 11 क्षेत्रीय कार्यालय की उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच में आपसी सामंजस्य बढ़ाने की बात कही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेशवर नाथ ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालयों की संरचना पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के आधार पर है। मुक्त विश्वविद्यालय का लक्ष्य आखिरी आदमी को शिक्षित करना है। कहा कि आज भी सिर्फ 25 प्रतिशत लोग ही उच्च शिक्षा ग्रहण कर पा रहे हैं। इसको लक्ष्य को 30 प्रतिशत तक ले जाना राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का लक्ष्य है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजेश प्रताप सिंह ने किया। इससे पूर्व अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित ने फीता काटकर नए क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्रबंधक लाल जी सिंह, हनुमान गढ़ी के महंत राजूदास, विवि के चीफ प्रॉक्टर प्रो. बीएन राय, दुर्गेश सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। ब्यूरो

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

15 मई, 2018

बी.एड. में 76 एवं स्पेशल बी.एड. में 84 प्रतिशत रही उपस्थिति

मुविवि में बी.एड. प्रवेश परीक्षा सम्पन्न

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सत्र 2018–19 में बी0एड0 एवं बी0एड0 (स्पेशल एजूकेशन) में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा दिनांक 15 मई, 2018 को प्रदेश के पांच शहरों में सकुशल आयोजित की गयी। बी0एड0 प्रवेश परीक्षा में 76 प्रतिशत अभ्यर्थी एवं बी0एड0 (स्पेशल एजूकेशन) में 84 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। इलाहाबाद में विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र पर कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने औचक निरीक्षण किया। बी0एड0 प्रवेश परीक्षा के नोडल अधिकारी डॉ0 आर0पी0एस0 यादव ने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शितापूर्ण ढंग से परीक्षा सम्पन्न हुयी। किसी भी केन्द्र से गड़बढ़ी की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई।

उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए प्रदेश के प्रमुख शहरों इलाहाबाद, गोरखपुर, मेरठ, लखनऊ तथा वाराणसी जिले में परीक्षा केन्द्र बनाये गये थे। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए ऑनलाइन प्रवेश पत्र तथा हेल्प लाइन की व्यवस्था की गयी थी।

बी0एड0 प्रवेश परीक्षा प्रथम पाली में प्रातः 9 से 12 एवं बी0एड0 (स्पेशल एजूकेशन) की परीक्षा दोपहर 2 से 5 बजे तक आयोजित की गयी। उन्होंने बताया कि परीक्षा परिणाम शीघ्र घोषित कर दिया जायेगा।

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र पर औचक निरीक्षण करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं परीक्षा देते परीक्षार्थी।

विश्वविद्यालय के

अध्ययन केन्द्र

ईस्माइल नेशनल महिला पी0जी0 कालेज, मेरठ

में परीक्षा देते परीक्षार्थी।

विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में परीक्षा देते परीक्षार्थी।

विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में परीक्षा देते परीक्षार्थी।

इलाहाबाद, बुधवार, 16 मई, 2018

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

इलाहाबाद, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

मनोहर आईसीसी चेयरमैन के कार्यकाल के लिये निर्विरोध निर्वाचित

मुख्यमंत्री के गृह जनपद को मेट्रो का तोहफा - 9

इलाहाबाद शहर

बीएड में 76 एवं स्पेशल बीएड में 84 प्रतिशत उपस्थिति

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सत्र 2018-19 में बी.एड एवं बी.एड (स्पेशल एजूकेशन) में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा मंगलवार को प्रदेश के पांच शहरों में सकुशल आयोजित की गयी। बी.एड प्रवेश परीक्षा में 76 प्रतिशत एवं बी.एड (स्पेशल एजूकेशन) में 84 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। बीएड प्रवेश परीक्षा के नोडल अधिकारी डा. आरपीएस यादव ने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शितापूर्ण ढंग से परीक्षा सम्पन्न हुयी। किसी भी केन्द्र से गड़बड़ी की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई। इलाहाबाद में विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र पर कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए प्रदेश के प्रमुख शहरों इलाहाबाद, गोरखपुर, मेरठ, लखनऊ तथा वाराणसी जिले में परीक्षा केन्द्र बनाये गये थे। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए ऑनलाइन प्रवेश पत्र तथा हेल्प लाइन की व्यवस्था की गयी थी। बीएड प्रवेश परीक्षा प्रथम पाली में प्रातः 9 से 12 एवं बीएड (स्पेशल एजूकेशन) की परीक्षा दोपहर 2 से 5 बजे तक आयोजित की गयी। उन्होंने बताया कि परीक्षा परिणाम शीघ्र घोषित कर दिया जायेगा।

परीक्षा देते अभ्यर्थी

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

16मई, 2018

मुविवि के कुलपति का सम्मान

हिन्दी साहित्य परिषद्, श्रीमद्आर्यावर्त विद्वत्परिषद, प्रयाग विद्वत्परिषद एवं बायोबेद शोध संस्थान, इलाहाबाद के संयुक्त तत्वाधान में प्रयाग स्टेशन के निकट बायोबेद शोध संस्थान के सभागार में दिनांक 16 मई, 2018 को सायंकाल 04:00 बजे संगोष्ठी और सारस्वत सम्मान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष डॉ0 रामजी मिश्र ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह को श्रीफल, शाल और सम्मान पत्र भेंटकर सम्मानित किया।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 वाईपी सिंह ने कहा कि प्रयाग की सारस्वत परंपरा हमेशा अभिनंदनीय रही है।

डॉ0 रामजी मिश्र ने समारोह का संचालन एवं माननीय कुलपति जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। आभार ज्ञापन बायोवेद शोध संस्थान के निदेशक डॉ0 बी0के0 द्विवेदी ने किया। इस मौके पर सचिव डॉ0 विजय कुमार पाण्डेय, तलब जौनपुरी, समाजशास्त्री डॉ0 रवि कुमार मिश्र, डॉ0 कीर्ति मिश्र, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण आदि मौजूद रहें।

समारोह का संचालन करते हुए परिषद के अध्यक्ष डॉ0 रामजी मिश्र एवं मंचासीन माननीय अतिथि।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह को श्रीफल, शाल और सम्मान पत्र भेंटकर सम्मानित करते हुए परिषद के अध्यक्ष डॉ0 रामजी मिश्र तथा साथ में समारोह की अध्यक्षता कर रहे इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 वाईपी सिंह, बायोवेद शोध संस्थान के निदेशक डॉ0 बी0के0 द्विवेदी एवं परिषद के सचिव डॉ0 विजय कुमार पाण्डेय।

सभागार में उपस्थित श्रोतागण।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने कहा कि सम्मान से जिम्मेदारियां और बढ़ गई हैं।

आभार ज्ञापन करते हुए बायोवेद शोध संस्थान के निदेशक डॉ0 बी0के0 द्विवेदी

दैनिक जागरण

एक नजर

प्रयाग की सारस्वत परंपरा अभिनंदनीय

इलाहाबाद : हिंदी साहित्य परिषद एवं बायोवेद शोध संस्थान इलाहाबाद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सम्मान समारोह में राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह का सारस्वत सम्मान किया गया। साहित्य परिषद के अध्यक्ष डॉ. राम जी मिश्र ने श्री सिंह के कृतित्व- व्यक्तित्व पर चर्चा की। जासं.

अमर उजाला

न्यूज डायरी

मुविवि कुलपति को सारस्वत सम्मान

इलाहाबाद। हिंदी साहित्य परिषद एवं बायोवेद शोध संस्थान की ओर से बुधवार को विद्वत गोष्ठी एवं सारस्वत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. केएन सिंह का सारस्वत सम्मान किया गया। साहित्य परिषद के अध्यक्ष डॉ. रामजी मिश्र ने कुलपति को श्रीफल, शाल एवं सम्मान पत्र प्रदान कर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इविवि के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह ने की। बायोवेद संस्थान के डॉ. वीके द्विवेदी ने अतिथियों का स्वागत किया।

आपराधियों का ऑनलाइन डोजियर बनेगा:डीजीपी पेज04 | केंद्र सरकार जल्द ही ड्रोन नीति जारी करेगी पेज14

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

वार्ता रद्द की धमकी

उत्तर कोरिया ने अपने नेता किम जोंग उन और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच होने वाली वार्ता को रद्द करने की धमकी दी है। पेज15

शुक्रवार, 17 मई 2018, लखनऊ, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, फेजाबाद संस्करण www.livehindustan.com वर्ष 23, अंक 115, 20 पेज, कुल ₹ 6.00, ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष, द्वितीया, विक्रम संवत् 2075

बुधवार को मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति का सम्मान किया गया। • हिन्दुस्तान

मुविवि के वीसी का सम्मान

इलाहाबाद। हिन्दी साहित्य परिषद एवं बायोवेद शोध संस्थान की ओर से बुधवार को संगोष्ठी और सारस्वत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष डॉ. रामजी मिश्र ने राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह को श्रीफल, शॉल और सम्मान पत्र भेंटकर सम्मानित किया।

अध्यक्षता कर रहे इविवि हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. वाईपी सिंह ने कहा कि प्रयाग की सारस्वत परंपरा हमेशा अभिनंदनीय रही है। कुलपति ने कहा कि सम्मान से जिम्मेदारियां और बढ़ गई हैं।

डॉ. मिश्र ने कुलपति के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। आभार ज्ञापन बायोवेद शोध संस्थान के निदेश डॉ. वीके द्विवेदी ने किया। इस मौके पर सचिव डॉ. विजय कुमार पांडेय, तलब जौनपुरी, समाजशास्त्री डॉ. रविकुमार मिश्र, कीर्ति मिश्र आदि मौजूद रहेंगे।

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयकों की कार्यशाला

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के अंतर्गत आने वाले सभी परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों एवं समन्वयकों की कार्यशाला 17 मई को पूर्वान्ह दस बजे विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र श्री कृष्ण सुदामा संस्थान, कैथी, मार्कण्डेय महादेव धाम वाराणसी में आयोजित की जाएगी। उक्त जानकारी देते हुए कुलसचिव प्रो. जी.एस शुक्ल ने बताया है कि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह करेंगे। कार्यशाला में विश्वविद्यालय की आगामी सत्रांत परीक्षा के सफल संचालन के लिए केन्द्राध्यक्षों को आवश्यक उचित निर्देश दिये जाएंगे। कार्यशाला में वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी, क्षेत्रीय निदेशक एवं कर्मचारी, प्रतिभाग करेंगे।

मुविवि में बैक पेपर की तिथि बढ़ी

इलाहाबाद। मुक्त विवि के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डा.प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया है कि परीक्षा नियंत्रक डा. जी.के द्विवेदी के अनुसार उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सत्रांत परीक्षा जून 2018 हेतु बैक परीक्षा फार्म भरने की अन्तिम तिथि 15 मई से बढ़ाकर 25 मई कर दी गयी है।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

17 मई, 2018

परीक्षा केन्द्राध्यक्ष व समन्वयों की कार्यशाला

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी के अन्तर्गत आने वाले परीक्षा केन्द्राध्यक्ष व समन्वयों की कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र भदवां कलां कैंथी, चौबेपुर, वाराणसी स्थित कृष्ण सुदामा ग्रुप आफ इन्स्टीच्यूशन के प्रांगण में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह रहें।

इस मौके पर कृष्ण सुदामा संस्थान के प्रबन्धक श्री विजय यादव, क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी के प्रभारी निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय निदेशक वाराणसी डॉ0 सी0के0 सिंह, विश्वविद्यालय के टेक्निकल ऑफीसर श्री शहबाज अहमद, श्री वी0डी0 यादव, संयोजक अशोक सिंह आदि प्रमुख लोग शामिल रहे।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को
अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर
उनको सम्मानित करते हुए
कृष्ण सुदामा संस्थान के प्रबन्धक श्री विजय यादव
तथा साथ में क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी के प्रभारी
निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव
एवं
क्षेत्रीय निदेशक वाराणसी डॉ0 सी0के0 सिंह ।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी
को माला पहनाकर उनका स्वागत करते हुए
विश्वविद्यालय के अध्ययन
केन्द्र टी0 डी0 कालेज जौनपुर
के समन्वयक
डॉ0 के0 डी0 सिंह जी
एवं अतिथियों का परिचय देते हुए
कृष्ण सुदामा संस्थान के प्रबन्धक
श्री विजय यादव

कार्यशाला में आये हुए परीक्षा केन्द्राध्यक्ष व समन्वयों को सर्टिफिकेट प्रदान करते हुए मा0 कुलपति जी।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

परीक्षा केन्द्राध्यक्ष व समन्वयों की कार्यशाला को सम्बोधित करते हुये मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि देश में 831 विश्वविद्यालय व 43 हजार महाविद्यालय हैं । इसके बाद भी उच्च शिक्षा में नामांकन में गिरावट चिंता का विषय है। इसके लिए उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय 101 रोजगार शिक्षापरक शिक्षा शुरू कर इस दूरी को खत्म करने का प्रयास कर रहा है। राष्टीय स्तर पर उच्च शिक्षा के अभियान में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय अपनी आहूति दे रहा है। इसके लिए रोजगारपरक शिक्षा के जरिये उच्च शिक्षा के नामांकन में हो रही गिरावट को ठीक करेगा। उन्होंने कहा कि 831 विश्वविद्यालय व 43 हजार महाविद्यालय फिर भी उच्च शिक्षा का नामांकन 25 प्रतिशत है। केन्द्र सरकार ने इसका लक्ष्य वर्ष 2025 तक 30प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने जो लोग महाविद्यालय में नहीं जा सकते, उनके लिए भी उच्च शिक्षा मुहैया करायेगी। गांव स्तर पर अभियान चलाकर उच्च शिक्षा के नामांकन स्तर को बढ़ा रही है। यह विश्वविद्यालय नहीं, बल्कि उस उच्च स्तर शिक्षा का अभियान है। किसी को कोई परेशानी न हो, इसके लिए टो–फ्री नम्बर 1800 120 111 333 जारी किया है। अब रोजगार परक शिक्षा, यू–टयूब व आकाशवाणी पर भी उपलब्ध होगा। इसके लिए लेक्चर तैयार किये जा रहें हैं। यह पहला विश्वविद्यालय है जहां जी0एस0टी0 पाठयक्रम भी इस सत्र से लागू किया गया है। यहां उम्र की बाध्यता नहीं है, अवकाश प्राप्त लोग व रिक्शे वाला भी उच्च शिक्षा ग्रहण कर लेगा।

दैनिक जागरण
युवा जागरण

75 फीसद युवा उच्च शिक्षा से वंचित

जागरण संवाददाता, चौबेपुर : देश में 831 विश्वविद्यालय व 43 हजार महाविद्यालय वर्तमान में हैं। बावजूद 75 फीसद युवा उच्च शिक्षा से वंचित है। यह चिंता का विषय है। केंद्र सरकार से 2025 तक 30 फीसद युवाओं तक उच्च शिक्षा पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। ये बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (इलाहाबाद) के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कही।

वह गुरुवार को भंदहांकलां (कैथी) स्थित कृष्ण सुदामा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में आयोजित केंद्राध्यक्षों व समन्वयकों की एक कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय ने जीएसटी सहित 101 रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू किया है ताकि अधिक से अधिक युवा उच्च शिक्षा से जुड़ सके। कहा कि अधिक से अधिक छात्रों को जोड़ने के लिए अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी अध्ययन केंद्र खोले जा रहे हैं। वहीं पाठ्यसामग्री आकाशवाणी के अलावा अब यू-ट्यूब पर उपलब्ध है। संचालन संयोजक अशोक सिंह ने किया। समारोह में संस्था के प्रबंधक विजय यादव, परीक्षा नियंत्रक डा. जीके द्विवेदी, डा. आरपीएस यादव, बीडी यादव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

जनसंदेश टाइम्स
परख सच की

शिक्षा स्तर में आई गिरावट: प्रो. सिंह

चौबेपुर। देश में 831विश्वविद्यालय व 43 हजार महाविद्यालय इसके बाद भी उच्च शिक्षा के नामांकन में गिरावट चिन्ता का विषय है। इसके लिए राजर्षि टण्डन विश्वविद्यालय ने 101 रोजगार परक शिक्षा शुरू कर इस दूरी को खत्म करने का प्रयास कर रहा है।
उक्त बाते गुरूवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने भन्दहां कलां (कैथी) स्थित एक इन्सटीट्यूशन प्रांगण में वाराणसी के परीक्षा केन्द्राध्यक्ष ,समन्वयकों की एक कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कही ।

कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा के अभियान मे राजर्षि टण्डन विश्व विद्यालय अपनी आहूति दे रहा है। इसलिए रोजगार परक शिक्षा के जरिये उच्च शिक्षा के नामांकन में हो रही गिरावट को ठीक करेगा। बताया कि आज 831 विश्वविद्यालय व 43 हजार महाविद्यालय फिर भी उच्च शिक्षा का नामांकन 25% है केन्द्र सरकार ने इसका लक्ष्य 2025 तक 30%तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। राजर्षि टण्डन विश्वविद्यालय ने जो लोग महाविद्यालय में नहीं जा सकते उनके लिए भी उच्च शिक्षा मुहैय्या करायेगी। गांव स्तर पर अभियान चलाकर उच्च शिक्षा के नामांकन स्तर को बढ़ा रही है। यह विश्वविद्यालय नहीं बल्कि उच्च स्तर शिक्षा का अभियान है। इसके लिए किसी को कोई परेशानी न हो टोल फ्री जिसका नं 1800120111333 जारी किया है । अब रोजगार परक शिक्षा यूट्यूब व आकाशवाणी पर भी उलब्ध होगा ।

चिंता

देश में चल रहे 831विश्वविद्यालय, 43 हजार महाविद्यालय

राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय ने शुरू की 101 रोजगार परक शिक्षा

इसके लिए लेक्चर तैयार किये जा रहे हैं । यह पहला विश्वविद्यालय है जहां जीएसटी पाठ्यक्रम भी इसी सत्र से लागू किया गया है। यहां उम्र की बाध्यता नहीं है। अवकाश प्राप्त लोग व रिक्शे वाला भी उच्च शिक्षा ग्रहण कर लेगा । इस मौके पर विजय यादव ,परीक्षा नियंत्रक डा0 जीके दिवेदी ,डा.सीके सिंह क्षेत्रीय निदेशक वाराणसी ,प्रभारी निदेशक डा.आरपीएस यादव ,बीडी यादव ,संयोजक अशोक सिंह आदि प्रमुख लोग शामिल रहे ।

राष्ट्रीय सहारा

परीक्षा केन्द्राध्यक्ष व समन्वयकों की कार्यशाला

चौबेपुर/वाराणसी। देश में 831 विश्वविद्यालय व 43 हजार महाविद्यालय इसके बाद भी उच्च शिक्षा के नामांकन में गिरावट चिन्ता का विषय है। इसके लिये राजर्षि टण्डन विश्वविद्यालय ने 101 रोजगारपरक शिक्षा शुरू कर इस दूरी को खत्म करने का प्रयास कर रहा है। उक्त बातें गुरुवार की दोपहर उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने भदंहां कलां (कैथी) स्थित कृष्ण सुदामा ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन के प्रांगण में परीक्षा केन्द्राध्यक्ष व समन्वयकों की एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा के अभियान मे राजर्षि टण्डन विश्वविद्यालय अपनी आहुति दे रहा है। इसलिए रोजगार परक शिक्षा के जरिये उच्च शिक्षा के नामांकन में हो रही गिरावट को ठीक करेगा।

उन्होंने कहा कि 831 वि विद्यालय व 43 हजार महाविद्यालय फिर भी उच्च शिक्षा का नामांकन 25 प्रतिशत है। केन्द्र सरकार ने इसका लक्ष्य वर्ष 2025 तक 30 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। राजर्षि टण्डन वि विद्यालय ने जो लोग महाविद्यालय में नहीं जा सकते, उनके लिए भी उच्च शिक्षा मुहैया करायेगी। गांव स्तर पर अभियान चलाकर उच्च शिक्षा के नामांकन स्तर को बढ़ा रही है। यह वि विद्यालय नहीं, बल्कि उच्च स्तर शिक्षा का अभियान है। किसी को कोई परेशानी न हो, इसलिये टोल फ्री नं 1800120111333 जारी किया है। अब रोजगार परक शिक्षा यूट्यूब व आकाशवाणी पर भी उलब्ध होगा। इसके लिए लेक्चर तैयार किये जा रहे हैं। यह पहला वि विद्यालय है, जहां जीएसटी पाठ्यक्रम भी इसी सत्र से लागू किया गया है। यहां उम्र की वाध्यता नहीं, अवकाश प्राप्त लोग व रिक्शे वाला भी उच्च शिक्षा ग्रहण कर लेगा। इस मौके पर कृष्ण सुदामा संस्थान के प्रवन्धक विजय यादव, परीक्षा नियंत्रक डॉ. जीके द्विवेदी, डॉ. सीके सिंह क्षेत्रीय निदेशक वाराणसी, प्रभारी निदेशक डॉ. आरपीएस यादव,वीडी यादव, संयोजक अशोक सिंह आदि प्रमुख लोग शामिल रहे।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

17 मई, 2018

भदवां कलां कैंथी, चौबेपुर, वाराणसी स्थित कृष्ण सुदामा ग्रुप आफ इन्स्टीच्यूशन का वार्षिक उत्सव दिनांक 17 मई, 2018 को बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विजय हास्पिटल एवं रामा सेन्टर मार्कण्डेय महादेव धाम, कैथी में अत्याधुनिक वेन्टीलेटरयुक्त गहन चिकित्सा कक्ष (आई0सी0यू0) एवं नवजात शिशु गहन चिकित्साकक्ष (एन0आई0सी0यू0) व सभी प्रकार के अत्याधुनिक मशीनों से युक्त आपरेशन थियेटर का उदघाटन मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने किया।

इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन डॉ0 विजय यादव ने अपने विचार रखें। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ0 काशीनाथ यादव, प्रो0 एस0एन0 सिंह, चन्द्रकान्त दूबे, पवन यादव, सुलाल यादव के साथ इस संस्था के सभी छात्र/छात्राएं व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

दीप प्रज्जवलित कर समारोह का उद्घाटन करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

पुष्पगुच्छ प्रदान कर माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी का स्वागत करती हुई कृष्ण सुदामा ग्रुप आफ इन्स्टीच्यूशन की निदेशिका डॉ0 बन्दना यादव।

पुष्पगुच्छ प्रदान कर माननीय अतिथि का स्वागत करते हुए डॉ0 विजय यादव।

माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए कृष्ण सुदामा ग्रुप आफ इन्स्टीच्यूशन परिवार के सदस्यगण।

विजय हास्पिटल एवं रामा सेन्टर का उद्घाटन करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

मुख्य अतिथि मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि डॉ0 विजय यादव ने जो समाज सेवा का संकल्प लिया है, वह एक अदभुत कार्य है। चिकित्सक भगवान की श्रेणी में आते हैं, और एक अच्छा चिकित्सक वही है, जो अपने मरीज को बेहतर उपचार दे सके। उन्होंने जन सेवा के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त अस्पताल का निर्माण किया है।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

वाराणसी, शुक्रवार, 18 मई, 2018

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष 3, वर्ष 7 अंक 101, पृष्ठ 16, मूल्य: 3.0

वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर एवं इलाहाबाद से प्रकाशित

धोनी की चेन्नई सुपरकिंग्स अप
तीसरे खिताब की तरफ देख रही -1

प्रवासियों को बताया 'जानवर', नहीं आने देंगे अपने देश : ट्रंप - 12

हास्पिटल एंड ट्रामा सेंटर का उद्घाटन

जनसंदेश न्यूज

सादात। कृष्ण सुदामा ग्रुप आफ इंस्टिट्यूशंस के वार्षिकोत्सव एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नोडल केंद्रों के समन्वयकों/ केंद्राध्यक्षों का कार्यशाला गुरूवार को भंदहा कलां में आयोजित किया गया। साथ ही विजय हस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर का भव्य उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि उप्र.राजर्षि टंडन मुविवि. के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि सरकार की नीति और नियत बदली है। इसमें समन्वय स्थापित कर इसके अनुसार 29 मई से शुरू होने वाली परीक्षा संपन्न कराएं। उन्होंने कहा कि देश में कुल 832 विश्वविद्यालय और 45 हजार से अधिक महाविद्यालय हैं।

मिलेगी सुविधा

उच्च शिक्षा में नामांकन में हो रही गिरावटः कामेश्वरनाथ

उच्च शिक्षा में नामांकन का स्तर महज 25 प्रतिशत ही है। इसे बढ़ाने की जरूरत है।

विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के मुख्य विमान अभियन्ता मो. आमिर ने कहा कि देश 2026 तक विश्व में विमान उड्डयन के क्षेत्र में तीसरा स्थान हासिल करने वाला है। विशिष्ट अतिथि भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता गौरव मिश्रा ने कहा कि व्यक्तित्व का निर्माण करें, जो समाज व राष्ट्र के निर्माण में योगदान दें। फार्मेसी विभाग बीएचयू के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. ब्रह्मेश्वर मिश्रा ने कहा कि उच्च के साथ ही तकनीकी और स्वास्थ्य शिक्षा के इस ज्ञानालय से शिक्षा और संस्कार तथा सुसंगति प्राप्त करें।

संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर डा. विजय कुमार यादव ने संस्थान के निरन्तर विकास की गाथा का वर्णन करते हुए आगन्तुकों से सुझाव और सहयोग आमन्त्रित किया। उनके साथ की संस्थान परिवार के लोगों ने अतिथियों का विभिन्न विधाओं से स्वागत-अभिनंदन किया। इस मौके पर डा. आरपीएस यादव, बीआर यादव, एसएन सिंह, फूलचंद्र यादव, डा. काशीनाथ यादव, धर्मेन्द्र यादव, बाबूलाल यादव, कृष्णा यादव, वंदना यादव, लाभ कुमार, सुशीला यादव, जेएस यादव, शिवकुमार, मु. अकरम, रामभरोस यादव समेत संस्थान के छात्र-छात्रा मौजूद रहे। संचालन आकाश उपाध्याय, डा. रोहित श्रीवास्तव ने किया। अंत में एमडी डा. विजय कुमार यादव ने सभी के प्रति आभार जताया। छात्र-छात्राओं ने प्रेरणादायी सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति कर लोगों की वाहवाही लूटने का काम किया।

माल्यार्पण के दौरान मुख्य अतिथि व अन्य

राष्ट्रीय सहारा

कृष्ण सुदामा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन का वार्षिकोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

चौबेपुर/वाराणसी। स्थानीय क्षेत्र के कैथी में स्थित कृष्ण सुदामा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन का वार्षिकोत्सव वृहस्पतिवार को वड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विजय हास्पिटल एवं ट्रामा सेंटर मार्कण्डेय महादेव धाम कैथी में अत्याधुनिक वेंटिलेटरयुक्त गहन चिकित्सका कक्ष (आईसीयू) एवं नवजात शिशु गहन चिकित्सा कक्ष (एनआईसीयू) व सभी प्रकार की अत्याधुनिक मशीनों से युक्त ऑपरेशन थियेटर का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने किया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि डाक्टर विजय यादव ने जो समाज सेवा का संकल्प लिया है, वह एक अद्भुत कार्य हैं। चिकित्सक भगवान की श्रेणी में आते हैं और एक अच्छा चिकित्सक वही है, जो अपने मरीज को वेहतर उपचार दे सके। उन्होंने जनसेवा के लिये अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त अस्पताल का निर्माण किया है। आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज चौकाघाट के प्रो. एके यादव ने कहा कि डॉ. विजय यादव जो कार्य कर रहे हैं, वह अत्यंत ही सराहनीय कार्य हैं। संस्था के चेयरमैन डॉ. विजय यादव ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. काशीनाथ यादव, प्रो. एसएन सिंह, चन्द्रकांत दूवे, पवन यादव, सुलाल यादव के साथ ही संस्था के सभी छात्रछात्राएं व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

19 मई, 2018

केन्द्रीय मंत्री ने किया बरेली क्षेत्रीय केन्द्र का भूमिपूजन एवं शिलान्यास

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के भवन हेतु भूमि पूजन एवं शिलान्यास विश्वविद्यालय की भूखण्ड संख्या–1 अम्बर खण्ड सेक्टर–3, रामगंगा नगर आवासीय योजना, बरेली में दिनांक 19 मई, 2018 को मुख्य अतिथि केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संतोष गंगवार जी ने किया।

समारोह की अध्यक्षता उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की एवं समारोह के विशिष्ट अतिथि महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली के कुलपति प्रो0 अनिल शुक्ल जी रहें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो0 जी0एस0 शुक्ल निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, डॉ0 आशुतोष गुप्ता, प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय तथा बरेली क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 आर0बी0 सिंह एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उक्त क्षेत्रीय केन्द्र का निर्माण 1100 वर्ग मीटर क्षेत्र में उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद द्वारा एक वर्ष की अवधि में पूर्ण किया जायेगा।

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के भवन का भूमि पूजन करते हुए मुख्य अतिथि केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संताष गंगवार जी एवं साथ मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं कुलसचिव प्रो0 जी0एस0 शुक्ल।

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के भवन के भूमि का शिलान्यास करते हुए मुख्य अतिथि केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संताष गंगवार जी एवं साथ मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय एवं मंचासीन माननीय अतिथि।

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संताष गंगवार जी तथा साथ में मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं कुलसचिव प्रो0 जी0एस0 शुक्ल।

मुख्य अतिथि केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संताष गंगवार जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते हुए ख्य अतिथि केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संताष गंगवार जी

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

जनसंख्या के हिसाब से पंजीकरण नही – प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

समारोह को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने कहा कि जितनी प्रदेश की जनसंख्या है, उसके हिसाब से छात्रों की संख्या बेहद कम है। जरुरत है कि अधिक से अधिक यूवाओं को उच्च शिक्षा में पंजीयन कराया जाय।

पत्रकारो से वार्ता करते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने कहा कि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इस सत्र से जीएसटी का छह माह का सर्टिफिकेट कोर्स के साथ कई नये कोर्स शुरु करने जा रहा है। जीएसटी का कोर्य बारहवीं के बाद किया जा सकेगा, जिसमें जीएसटी क्या है और उसे कैसे फाइल किया जाय, इसको लेकर प्रशिक्षित किया जायेगा। इसके अलावा इंटीग्रेटिड एग्रीकल्चर मैनेजमेन्ट कोर्स भी शुरु हो रहा है। जिन कालेज में बीएससी एग्रीकल्चर चलता है वहा के छात्र यह कोर्स कर सकेंगे। इस कोर्स को करने के बाद पेस्टीसाइ, उर्वरक का लाइसेंस लेकर इनकी बिक्री कर सकता है। इसके अलावा रिमोर्ट सेसिंग, लैड मैपिंग जिसमें भूमि नगर नियोजन की शिक्षा ले सकता है। लैड यूज प्लानिंग कोर्स भी जल्द शुरु होगा। राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय रोजगार परक कोर्स शुरु करने जा रहा है, जिसमें जीएसटी का सर्टिफिकेट कोर्स महत्वपूर्ण है। पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, एमएससी फूड एण्ड न्यट्रीशियन जैसे कोर्स शुरु होंगे।

श्री संताष गंगवार

अभ्यर्थी मुविवि में पंजीकरण कराकर अपना भविष्य संवारे– गंगवार

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के भवन हेतु भूमि पूजन एवं शिलान्यास करने आये मुख्य अतिथि केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संताष गंगवार जी ने उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के प्रयास को सराहा। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी यहा पंजीकरण कराकर अपना भविष्य संवारे।

प्रो0 अनिल शुक्ला

दूरस्थ शिक्षा में अनेक सम्भावनाएँ– प्रो0 शुक्ला

विशिष्ट अतिथि एम0जे0पी0 रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली के कुलपति प्रो0 अनिल शुक्ला ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में अनेक सम्भावनाएँ हैं। उन्होंने कहा कि बन्धन मुक्त शिक्षा की आवश्यकता की पूर्ति केवल दूरस्थ शिक्षा से ही सम्भव है। विश्वविद्यालय केवल डिग्री बांटने वाले केन्द्र न बनें, शिक्षा रेडीमेड रेसिपी की तरह न परोसी जाये अपितु ऑटोमेटेड शिक्षार्थी की संकल्पना साकार की जाये, वैश्विक संदर्भो में समझ एवं कौशल विकसित किये जायें। प्रो0 शुक्ल ने हा कि उपलब्ध शैक्षिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जाय तथा बदलती वैश्विक शैक्षिक परिस्थितयों में अन्तर–क्रियात्मक शिक्षा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से ही सम्भव है, इन्हीं संभावनाओं का विकास करना बहुत आवश्यक है।

धन्यवाद ज्ञापित

करते हुए

कुलसचिव

प्रो0 जी0एस0 शुक्ल।

बरेली, रविवार
20 मई 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 24+6=30

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

अलीगढ़ में पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराए तीन इनामी बदमाश } 13
कुंभ में प्रयाग आने वाले यात्री वाहन टोल फ्री : योगी } 13

दैनिक जागरण
यूथ जंक्शन
बरेली, 20 मई 2018
www.jagran.com

जीत और हार आपकी सोच पर निर्भर करती है। मान लो तो हार होगी और ठान लो तो जीत होगी।

रुहेलखंड में नए स्टडी सेंटर खोलेगा राजर्षि टंडन विवि

युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए लांच होंगे जीएसटी और इंटीग्रेटेड एग्रीकल्चर एग्रीकल्चर सहित तमाम नये कोर्स

जागरण संवाददाता, बरेली : राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय रुहेलखंड परिक्षेत्र के हर जिले में नए स्टडी सेंटर खोलेगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा छात्र-छात्राओं को शिक्षित किया जा सके। इसके अलावा नए प्रोफेशनल कोर्स की भी शुरुआत होगी। इसमें जीएसटी का छह माह का डिप्लोमा कोर्स, इंटीग्रेटेड एग्रीकल्चर मैनेजमेंट कोर्स, एमएससी फूड एंड न्यूट्रीशियन, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, लैंड मैपिंग, रिमोट सेंसिंग जैसे पाठ्यक्रम शुरू होंगे।

रविवार को डोहरा रोड स्थित रामगंगा नगर आवासीय योजना सेक्टर तीन में राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय का शिलान्यास करने पहुंचे कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने पत्रकारों से यह बातें कहीं। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि छात्रों के लिए जीएसटी कोर्स बेहद फायदेमंद रहेगा। क्योंकि देश में जीएसटी लागू होने के बाद से ही इसके प्रोफेशनल्स की मांग तेजी से बढ़ी है। युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिहाज से ही यह कोर्स शुरू किया जा रहा है। इसके साथ ही रुविवि परिक्षेत्र में खेतीबाड़ी में युवाओं को रोजगार देने के मकसद से ही इंटीग्रेटेड एग्रीकल्चर कोर्स शुरू किया जाएगा। यह कोर्स करने के बाद युवाओं को कृषि उत्पाद बिक्री का लाइसेंस आसानी से मिल जाएगा। वे अपने क्षेत्र में स्व-रोजगार से जुड़कर खेतीबाड़ी की सूरत बदलने में भूमिका निभाएंगे। कुलपति ने कहा कि क्षेत्र के अधिक से अधिक युवा शिक्षा हासिल करें। वे अपने मनपसंद प्रोफेशनल कोर्स को चुनकर अपना भविष्य बना सकते हैं। इससे पहले केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार, कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह, रुविवि के कुलपति प्रोफेसर अनिल शुक्ल ने राजर्षि विवि के क्षेत्रीय कार्यालय की बुनियाद रखी।

अब नियमित होगी पीएचडी : कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि पीएचडी में भी अब बदलाव किया जा रहा है। अब जो पीएचडी होगी वो नियमित होगी। शोध शिक्षा में और बेहतरी के मकसद से यह फैसला लिया गया है।

सब रखें जल्द मिलेगी मार्कशीट : डॉ. आरबी सिंह ने कहा कि जिन अभ्यर्थियों की मार्कशीट, डिग्री, डिप्लोमा किसी वजह से रुका है, तो वे सेंटर पर संपर्क करें। कुलपति ने आश्वस्त किया है कि छात्रों के पुराने मसलों का तेजी से निस्तारण किया जा रहा है। दरअसल, पास आउट छात्रों ने कुलपति के सामने डिग्री, मार्कशीट न मिलने की समस्याएं रखी थीं।

रामगंगा नगर परियोजना में राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के भवन का शनिवार को शिलान्यास करते केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार • जागरण

कवायद

- रामगंगा नगर आवासीय योजना में विवि के क्षेत्रीय कार्यालय का शिलान्यास
- युवाओं को कृषि उत्पाद बिक्री का लाइसेंस मिलने में हो जाएगी आसानी

सेंटर पर हल होंगी समस्याएं

राजर्षि टंडन के क्षेत्रीय कार्यालय के निदेशक डॉ. आरबी सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों को सेंटर का लाभ कई तरीके से मिलेगा। पहला तो यह, कि अब उनकी जो भी समस्याएं होंगी, उनका निस्तारण यहीं होगा। उन्हें इलाहाबाद की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। दूसरी बात यह है कि यहां अकादमिक गतिविधियां जारी रहेंगी। गेस्ट लेक्चर, वर्कशॉप, सेमिनार होंगे। विद्यार्थियों को स्टडी मैटेरियल भी यहीं से उपलब्ध हो जाएगा।

जनसंख्या के हिसाब से पंजीकरण नहीं

राजर्षि टंडन के कुलपति ने कहा कि जितनी प्रदेश की जनसंख्या है, उसके हिसाब से छात्रों की संख्या बेहद कम है। जरूरत है कि अधिक से अधिक युवाओं को उच्च शिक्षा में पंजीकरण कराया जाए। केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने राजर्षि टंडन विवि के प्रयास को सराहा। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी यहां पंजीकरण कराकर अपना भविष्य संवारे। वहीं रुविवि के कुलपति ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा के इतिहास पर प्रकाश डाला।

दुनिया का चक्कर लगा कल लौटेगा भारतीय दल 19
छह महिलाओं के नेवी दल ने 21,600 नॉटिकल मील का सफर तय किया

रविवार

आजादी नहीं, ग्लैमर से पैदा हो रहे आतंकी 19
कश्मीर घाटी में 'गुमशुदगी' का मतलब है लड़का आतंकी बन गया। चौतरफा ऐसी ही अनिश्चितता का आलम है

अमर उजाला

महानगर
वर्ष 50 | अंक 122
पृष्ठ : 24+4+4=32
मूल्य : छह रुपये

amarujala.com
बरेली
रविवार, 20 मई 2018

युवा बरेली
amarujala.com
बरेली
रविवार, 20 मई 2018

राजर्षि इस सत्र से जीएसटी समेत कई कोर्स करेगा शुरू

अमर उजाला ब्यूरो
बरेली।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इस सत्र से जीएसटी का छह माह का सर्टिफिकेट कोर्स के साथ कई नए कोर्स शुरू करने जा रहा है। जीएसटी का कोर्स बारहवीं के बाद किया जा सकेगा, जिसमें जीएसटी क्या है और उसे कैसे फाइल किया जाए, इसको लेकर प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके अलावा इंटीग्रेटिड एग्रीकल्चर मैनेजमेंट कोर्स भी शुरू हो रहा है। जिन कॉलेजों में बीएससी एग्रीकल्चर चलता है वहां के छात्र यह कोर्स कर सकेंगे। इस कोर्स को करने के बाद छात्र पेस्टीसाइड, उर्वरक का लाइसेंस लेकर इनकी बिक्री कर सकता है। इसके अलावा रिमोट सेंसिंग, लैंड मैपिंग, जिसमें भूमि नगर नियोजन की शिक्षा ले सकता है। लैंड यूज प्लानिंग कोर्स भी शुरू जल्द शुरू होगा। क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन करने आए राजर्षि के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने नए कोर्स संबंधी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि राजर्षि रोजगार परक कोर्स शुरू करने का जा रहा है, जिसमें जीएसटी का सर्टिफिकेट कोर्स महत्वपूर्ण है। पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, एमएससी फूड एंड न्यूट्रीशियन जैसे कोर्स शुरू होंगे। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय कार्यालय अंबर खंड सेक्टर-3 रामगंगा नगर आवासीय योजना डोहरा रोड पर शुरू होगा। शनिवार को कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने इसका शिलान्यास किया। इसके बाद विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राजर्षि विवि के क्षेत्रीय कार्यालय के शिलान्यास कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय मंत्री मंत्री संतोष गंगवार व कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह व अन्य।

बरेली में क्षेत्रीय कार्यालय का हुआ शिलान्यास
राजर्षि के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह बोले 12वीं पास कर सकेंगे जीएसटी का कोर्स

क्षेत्रीय कार्यालय होने से दूर होंगी दिक्कतें

क्षेत्रीय कार्यालय के निदेशक डॉ. आरबी सिंह ने बताया कि अब छात्रों को यहां सारी सहूलियत मिलेंगी। परीक्षा का मूल्यांकन भी यहीं होगा। इसके अलावा स्टडी मैटेरियल, प्रवेश से जुड़ी जानकारी, सेमिनार, वर्कशाप का भी आयोजन किया जाएगा। छात्रों की सहूलियत के लिए टोल फ्री नंबर 1800120111333 भी जारी किया गया है। क्षेत्रीय कार्यालय के माध्यम से छात्रों के सारे कार्य हो सकेंगे।

विवि कैंपस में खुलेगा राजर्षि का स्टडी सेंटर

राजर्षि जल्द एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय कैंपस में भी एक स्टडी सेंटर शुरू करने जा रहा है। यहां ऐसे कोर्स कराए जाएंगे जो छात्र इंजीनियरिंग या मैनेजमेंट कोर्स के साथ कर सके। राजर्षि के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने इस बाबत रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अनिल शुक्ल से वार्ता भी की है। इसके अलावा अन्य विश्वविद्यालयों की तरह राजर्षि भी जल्द छात्रों को नेशनल डिपॉजिटरी सिस्टम की सुविधा देने जा रहा है ताकि छात्र कहीं से भी अपनी मार्कशीट और डिग्री ऑनलाइन निकाल सके।

स्टडी सेंटर संचालकों ने रखीं समस्याएं

कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह के सामने बरेली के विभिन्न कॉलेजों में चल रहे राजर्षि के स्टडी सेंटर संचालकों ने समस्याएं भी रखी। ज्यादातर समस्याएं समय से स्टडी मैटेरियल न मिलने, मार्कशीट और अन्य दस्तावेज देरी से मिलने की बात कही। कुलपति ने आश्वासन दिया कि इस तरह की समस्याएं जल्द दूर हो जाएंगी।

राजर्षि से अब पीएचडी रेग्युलर ही होगी

राजर्षि से अब तक पीएचडी दूरस्थ माध्यम से हो जाती थी। यूजीसी के नियम बदलने के बाद ही राजर्षि ने भी नियमों में बदलाव कर दिया है। अब राजर्षि से पीएचडी अब रेग्युलर ही कर सकेंगे। पीएचडी भी सिर्फ इलाहाबाद के सेंटर से कर सकेंगे।

रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

कड़ी चुनौती
साइना नेहवाल और प्रणय के नेतृत्व में भारत की युवा टीम को थॉमस और उबेर कप में कड़ी चुनौती से पार पाना होगा। पेज 20

कुंभ का पहला शाही स्नान 15 जनवरी को होगा पेज 17 | चीन ने दक्षिण सागर में बमवर्षक विमान उतारे पेज 18

रविवार, 20 मई 2018, बरेली, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर www.livehindustan.com

राजर्षि टंडन विवि के क्षेत्रीय केंद्र के शिलान्यास कार्यक्रम में बोले कुलपति

राजर्षि टंडन में पढ़ेंगे जीएसटी

बरेली | प्रमुख संवाददाता

राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी कृषि प्रबंधन, लैंडयूज प्लानिंग और जीएसटी कोर्स शुरू करेगी। बरेली क्षेत्रीय केंद्र के शिलान्यास के मौके पर पहुंचे राजर्षि टंडन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि जोर कौशल विकास के कोर्स शुरू करने पर है, ताकि युवाओं को नए क्षेत्रों में रोजगार मिल सके।

हिन्दुस्तान से बातचीत में प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि तेजी से हो रही शहरीकरण के कारण भूमि नियोजन के एक्सपर्ट की जरूरत है। ऐसे में रिमोट सेंसिंग लैंड मैपिंग और भूमि नगर नियोजन के लिए लैंडयूज प्लानिंग कोर्स शुरू किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि अभी छह माह का सर्टिफिकेट कोर्स जीएसटी शुरू किया जा रहा है। बारहवीं के बाद यह कोर्स किया जा सकेगा। इसमें जीएसटी के बारे में पूरी जानकारी दी जाएगी।

कुलपति ने बताया कि इंटीग्रेटेड एग्रीकल्चर मैनेजमेंट कोर्स भी शुरू किया जाएगा। इस कोर्स को करने के बाद छात्र पेस्टिसाइड और उर्वरक का लाइसेंस लेकर रोजगार शुरू कर सकता है। कुलपति ने बताया कि जीएसटी के अलावा पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन और एमएससी फूड एंड न्यूट्रिशन कोर्स की भी शुरुआत होगी।

राजर्षि टंडन विवि के क्षेत्रीय कार्यालय के शुभारंभ पर मौजूद केंद्रीय मंत्री संतोष व कुलपति कामेश्वर नाथ सिंह व अन्य। • हिन्दुस्तान

रेगुलर पीएचडी कर सकेंगे विद्यार्थी

कुलपति कामेश्वर नाथ सिंह बोले, राजश्री से दूरस्थ माध्यम से पीएचडी होती थी पर अब रेगुलर भी होगी। यूजीसी से नियमों में बदलाव किए जाने के बाद यह फैसला लिया गया है। राजर्षि टंडन यूनिवर्सिटी भी अब नेशनल एकेडमिक डिपाजिटरी से जुड़ने जा रहा है। इससे मार्कशीट और डिग्री ऑनलाइन मिला करेगी।

क्षेत्रीय केंद्र के शुरू होने से दूर होंगी दिक्कतें

रामगंगा बैराज पर क्षेत्रीय केंद्र का शिलान्यास केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार और कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। यह क्षेत्रीय केंद्र एक वर्ष में तैयार हो जाएगा। निदेशक डॉ. आरबी सिंह ने बताया कि यहीं पर परीक्षा का मूल्यांकन होगा। स्टडी मैटेरियल, प्रवेश से जुड़ी जानकारी, सेमिनार और वर्कशाप भी कराए जा सकेंगे। अब यूनिवर्सिटी कैंपस में भी राजर्षि का स्टडी सेंटर खोलने जा रहा है। ऐसे कोर्स यहां शुरू होंगे जो इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट के साथ किए जा सकेंगे।

विवि में हुई समन्वयकों के साथ बैठक, शिकायतों का पिटारा

रुहेलखंड विवि के आईएएसई सभागार में समन्वयकों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। इसमें रुहेलखंड विवि के कुलपति अनिल शुक्ल ने दूरस्थ शिक्षा के फायदे बताए। वहीं केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने तमाम योजनाओं के बारे में

SUNDAY TIMES OF INDIA
Bennett, Coleman & Co. Ltd.
MAY 20, 2018 | AGRA | PAGES 30 | INCLUDING TIMESLIFE! AND AGRA TIMES | TIMESOFINDIA.COM | EPAPER.TIMESOFINDIA.COM
ELHI
PRICE ₹4.00

Back in their element of tournament, defending champions Mumbai Indians eye win against DD to seal play-off berth P 17

UPRTOU first to launch toll-free helpline number

TIMES NEWS NETWORK

Bareilly: In a first in the state, Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) has recently launched a toll-free number for answering students' queries and resolving their complaints. UPRTOU is an open university and most of its students reside in villages. They face inconvenience if they have any query related to admission and examinations.

Prof Kameshwar Nath Singh, vice-chancellor, UPRTOU, who came to Bareilly on Saturday for laying the foundation stone for a new regional office here, said, "Our university has become the first varsity in the state to start a toll free number- 1800120111333. The queries and complaints registered by students on this number will be resolved within 24 hours."

As the admission process for the new academic session is slated to start from July this year, the varsity will introduce many new courses.

Queries and complaints registered by students on 1800120111333will be resolved within 24 hours

RB Singh, director, Bareilly regional centre, said, "As many shopkeepers are facing difficulty after the introduction of GST in the country, we will start a six-month certificate course in GST. Any intermediate pass student can take admission in the course." "Among other new courses, which we are going to start include one-year diploma in integrated agriculture management and remote sensing and MSc in nutrition and master in public administration. The benefit of diploma in integrated agriculture management is that people would be able to get license for business in fertiliser, pesticide and other agriculture inputs and they do not need to pursue BSc in Agriculture," he added.

वर्ष 29 अंक 248
Pages 14
Bareilly, Sunday, 20 May 2018
BAREILLY EDITION
Within Bareilly City.- ₹ 2/-
Outside Bareilly City.- ₹ 3/-

दैनिक जागरण

www.inextlive.com Published from BAREILLY ● Agra ● Allahabad ● Dehradun ● Gorakhpur ● Jamshedpur ● Kanpur ● Lucknow ● Meerut ● Patna ● Ranchi ● Varanasi

3.5 घंटे का सफर 15 मिनट में होगा पूरा } 05
सनी लियोनी का वीरमादेवी लुक } 10

सिर्फ ₹2.00 में प्रतिदिन

facebook.com/inextlive youtube.com/inextlive inext twitter.com/inextlive log on to epaper.inextlive.com

राजर्षि टंडन मुक्त विवि के क्षेत्रीय केन्द्र का शिलान्यास

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (19 May): उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र का सैटरडे को केन्द्रीय राज्य मंत्री ने भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया. उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को उच्च शिक्षा मिलनी चाहिए. कार्यक्रम में आरयू बीसी प्रो. अनिल शुक्ला और क्षेत्रीय निदेशक डॉ. आरवी सिंह, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के बीसी प्रो. केएन सिंह मौजूद रहे.प्रो. केएन सिंह ने बताया कि नए सेंटर खोलने पर अधिक से अधिक जोर दिया जाएगा. जिसके लिए वह सिंगल विन्डो सिस्टम लागू करेंगे. उन्होंने छात्रों की संख्या भी बढ़ाने पर जोर दिया.

मुरादाबाद, सोमवार
21 मई 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

भविष्य की जंग के लिए मानवरहित टैंक, पोत व विमान बनाएगा भारत } 11
सोची में तैयार होगा भविष्य के एजेंडे का आधार : मोदी } 15

आज का मौसम
हवा से मौसम प्रभावित होगा। अधिक बादल छा सकते हैं।
37.0° अधिकतम तापमान | 24.0° न्यूनतम तापमान
सूर्य अस्त (आज) 7:00 उदय (कल) 5:23

मुरादाबाद जागरण

www.jagran.com मुरादाबाद, 21 मई 2018 दैनिक जागरण

राजर्षि टंडन मुक्त विवि के पाठ्यक्रम यू-ट्यूब पर भी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह विश्वविद्यालय की शिक्षा को आम आदमी तक पहुंचाना चाहते हैं। इसलिए विवि के कोर्स को अब यू-ट्यूब पर उपलब्ध करा रहे हैं। इसके के अलावा नोट्स विवि की वेबसाइट पर भी अपलोड होंगे, ताकि सुदूर क्षेत्रों में भी पढाई की जा सके। किताब न मिले तो पाठ्यक्रम और नोट्स को डाउनलोड कर पढ़ाई की जा सके। पंडित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में भूगोल विभागाध्यक्ष रह चुके प्रो. केएन सिंह बरेली विवि के कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। इसके बाद जागरण उपमुख्य संवाददाता प्रेमपाल सिंह से उनकी विशेष बातचीत हुई। पेश है बातचीत के संपादित अंशः-

सवाल : विवि के पाठ्यक्रमों को किस प्रकार आम व्यक्ति तक पहुंचाएंगे?

जवाब : पाठ्यक्रम अब यू-ट्यूब और डिजीटल मीडिया पर भी उपलब्ध होंगे, ताकि छात्र इसे डाउनलोड कर पढ़ाई कर सके। छात्रों की सुविधा के लिए विवि की वेबसाइट पर संबंधित विषयों के नोट्स भी अपलोड कर दिए गए हैं।

सवाल: फिलहाल उत्तर प्रदेश में कितने स्टडी सेंटर है। किस प्रकार से विस्तार करेंगे?

जवाब : उत्तर प्रदेश में विवि के 11 स्टडी सेंटर है, जिन्हे हर नगर निगम में स्थापित करने की योजना है।

सवाल : यूजीसी का आंकड़ा देखें तो जीईआर(सकल नामांकन अनुपात) कम होता जा रहा है।

जवाब : देश में 832 विवि हैं और इनसे जुड़े 43 हजार महाविद्यालय हैं। इनका जीईआर सिर्फ 25-30 फीसद हैं। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय इसको बढ़ाकर 30 फीसद से अधिक करना चाहता है। इसलिए विवि के केंद्रों को बढ़ाएंगे।

सवाल : दूरस्थ शिक्षा और नियमित शिक्षा में अंतर का क्या कारण है।

जवाब : अब ऐसा नहीं है, यूजीसी ने 23 फरवरी को एक एडवाइजरी जारी की है, जिसमें तकनीकी कोर्स को विश्वविद्यालय के समतुल्य मान्यता प्रदान की गई है।

सवाल : दूरस्थ शिक्षा में सबसे ज्यादा संभावना किन क्षेत्रों की है?

जवाब : मैं समझाता हूं कि सेना में पढ़ाई का सबसे बेहतर माध्यम दूरस्थ शिक्षा है। इसके अलावा जो नोकरी पर हैं। प्रतिदिन महाविद्यालय नहीं जा सकते हैं। उनके लिए एक बेहतर विकल्प है।

सवाल : सबसे ज्यादा किस चीज को चुनौती मानते है? इसे कैसे दूर करेंगे।

जवाब : नियमित पाठ्यक्रम में प्रयोगशाला और अनुसंधानिक शिक्षा माना जाता है, लेकिन हम अपने सेंटरों इंतजाम करेंगे। जीसएसटी, खेती सहित अन्य संबंधित पाठ्यक्रम हमने शुरू किए हैं।

सवाल : कोई समस्या होने या फिर गलती के लिए कहां शिकायत दर्ज कराएं?

जवाब : हम अपने केंद्रों से निरंतर संपर्क करेंगे। संदेश के माध्यम से समस्याओं का निदान होगा। टोल फ्री नंबर 1800120111333 चालू करेंगे।

साक्षात्कार

सराहनीय

- कुलपति : प्रो. केएन सिंह बोले, हमारे लिए शिक्षा की गुणवत्ता अहम
- नगर निगम क्षेत्रों में खुलेंगे स्टडी सेंटर, इसमें मुरादाबाद भी शामिल

इलाहाबाद, सोमवार
21 मई 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

भारत बनाएगा मानवरहित टैंक और विमान } 16
भविष्य के एजेंडे का आधार सोची में होगा तैयार } 11

इलाहाबाद जागरण

राजर्षि टंडन विवि के पाठ्यक्रम अब यू-ट्यूब पर भी उपलब्ध

प्रेमपाल सिंह ● मुरादाबाद

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह कहा कि शिक्षा को आम आदमी तक पहुंचाने के मकसद से अब विवि के कोर्स को यू-ट्यूब पर उपलब्ध करा रहे हैं। इसके के अलावा नोट्स विवि की वेबसाइट पर भी अपलोड होंगे, ताकि सुदूर क्षेत्रों में भी पढ़ाई करना संभव हो सके। किताब न मिलने की स्थिति में पाठ्यक्रम और नोट्स को डाउनलोड कर पढ़ाई की जा सके।

बरेली विवि के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मुरादाबाद आए प्रो. केएन सिंह पंडित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में भूगोल के विभागाध्यक्ष रह चुके हैं। शनिवार को जागरण से विशेष बातचीत में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में विवि के 11 स्टडी सेंटर हैं। इन्हें बढ़ाने की योजना है। हर नगर निगम क्षेत्र में एक सेंटर स्थापित किया जाएगा। दूरस्थ और नियमित शिक्षा में अंतर के सवाल

कुलपति प्रो. केएन सिंह।

पर कहा कि यूजीसी ने 23 फरवरी को एक एडवाइजरी जारी की है, जिसमें तकनीकी कोर्स को विश्वविद्यालय के समतुल्य मान्यता प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि नियमित पाठ्यक्रम में प्रयोगशाला और अनुसंधानिक शिक्षा माना जाता है, लेकिन हम अपने सेंटरों इंतजाम करेंगे। जीसएसटी, खेती सहित अन्य संबंधित पाठ्यक्रम हमने शुरू किए हैं। इसके अलावा एक टोल फ्री नंबर भी चालू किया जाएगा, जिस पर छात्र अपनी समस्या बता सकेंगे।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

22 मई, 2018

इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों एवं समन्वयकों की कार्यशाला

दिनांक 22 मई, 2018 को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रर्थ सभागार में इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों एवं समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता उ0प्र0 राजर्षि टण्डन टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

कार्यशाला का संचालन डॉ0 विनोद कुमार गुप्त ने एवं धन्यवाद ज्ञापन निदेशक मानविकी डॉ0 आर0पी0 सिंह यादव ने किया। इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 अभिषेक सिंह ने कार्यशाला की विषयवस्तु तथा अतिथियों का स्वागत किया। कार्यशाला में परीक्षा नियंत्रक डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, प्रवेश प्रभारी डॉ0 आर0पी0 सिंह यादव, अध्ययन केन्द्र प्रभारी डॉ0 पी0पी0 दुबे आदि ने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला में इलाहाबाद, कौशाम्बी, चित्रकूट, बांदा, प्रतापगढ तथा सुल्तानपुर से केन्द्राध्यक्षों ने प्रतिभाग किया।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा साथ में इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 अभिषेक सिंहएवं अन्य

कार्यशाला का संचालन करते हुए डॉ0 विनोद कुमार गुप्त एवं मंचासीन माननीय अतिथि।

माननीय कुलपति जी को पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत करते हुए इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 अभिषेक सिंह एवं अन्य।

कार्यशाला की विषयवस्तु तथा अतिथियों का स्वागत करते हुए इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 अभिषेक सिंह

कार्यशालामें अपने अपने विचार एवं सुझाव देते हुए परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्ष।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

विश्वसनीयता और प्रमाणिकता का मापदण्ड है परीक्षा – कुलपति

अध्यक्षीय उद्‌बोधन करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने कहा कि परीक्षा की शुचिता को बनाये रखना हमारा दायित्व है। परीक्षा विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता और प्रमाणिकता का मापदण्ड है। प्रदेश सरकार परीक्षा की शुचिता को लेकर बहुत गंभीर है। परीक्षा में गुणात्मक सुधार लाने में परीक्षा केन्द्र के केन्द्राध्यक्षों की बहुत बड़ी भूमिका है।

उन्होंने कहा कि छात्र हमारी पूंजी एवं अध्ययन केन्द्र विश्वविद्यालय के आधार स्तम्भ हैं। प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केन्द्र अध्ययन केन्द्र के रूप में कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी जुलाई–2018 सत्र में एक लाख से अधिक शिक्षार्थियों के नामांकन का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को पूरा करने में क्षेत्रिय केन्द्रों एवं अध्ययन केन्द्रों की बहुत बड़ी भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि सभी केन्द्रों को आधारभूत सुविधायें मुहैया कराई जा रही है।

प्रो0 सिंह ने कहा कि सभी केन्द्राध्यक्ष यह संकल्प लें कि शासन की नीति और नीयत के अनुसार शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षा सम्पन्न करायेंगे। कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि किसी भी कार्य में अपेक्षित सफलता के लिए समय और स्थान का अत्यधिक महत्व है। इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण छात्रों के लिए कई रोजगारपरक एवं कौशल विकास पर आधारित कोर्स विश्वविद्यालय ने प्रारम्भ किए हैं। ऐसे कार्यक्रमों में प्रवेश लेकर छात्र अपना कैरियर संवार सकते हैं।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए निदेशक मानविकी डॉ0 आर0पी0 सिंह यादव

इलाहाबाद, बुधवार, 23 मई, 2018
जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
www.jansandeshtimes.net

मुद्दों पर होगा लोकसभा चुनाव : अखिलेश - 9

आईपीएल एलिमिनेटर में आज आमने-सामने होंगे राइडर्स और हैदराबाद - 13

इलाहाबाद

विश्वसनीयता और प्रमाणिकता का मापदण्ड है परीक्षा : कुलपति

परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों एवं समन्वयकों की कार्यशाला

इलाहाबाद। परीक्षा की शुचिता बनाये रखना हमारा दायित्व है और परीक्षा विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता और प्रमाणिकता का मापदण्ड है। प्रदेश सरकार परीक्षा की शुचिता को लेकर बहुत गंभीर है। परीक्षा में गुणात्मक सुधार लाने में परीक्षा केन्द्र के केन्द्राध्यक्षों की बहुत बड़ी भूमिका है।

उक्त विचार उ.प्र राजर्षि टण्डन टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों एवं समन्वयकों की कार्यशाला में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि छात्र हमारी पूंजी एवं अध्ययन केन्द्र विश्वविद्यालय के

संबोधित करते कुलपति मुक्त विवि

आधार स्तम्भ हैं। प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केन्द्र अध्ययन केन्द्र के रूप में कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी जुलाई 2018 सत्र में एक लाख से अधिक शिक्षार्थियों के नामांकन का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को पूरा करने में क्षेत्रीय केन्द्रों एवं अध्ययन केन्द्रों की बहुत बड़ी भूमिका होगी।

प्रो. सिंह ने कहा कि सभी केन्द्राध्यक्ष यह संकल्प लें कि शासन की नीति और नीयत के अनुसार शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षा सम्पन्न करायेंगे। कहा कि किसी भी कार्य में अपेक्षित सफलता के लिए समय और स्थान का अत्यधिक महत्व है। इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण छात्रों के लिए कई रोजगारपरक एवं कौशल विकास पर आधारित कोर्स विश्वविद्यालय ने प्रारम्भ किए हैं। ऐसे कार्यक्रमों में प्रवेश लेकर छात्र अपना कैरियर संवार सकते हैं। कार्यशाला का संचालन डा.विनोद कुमार गुप्त एवं धन्यवाद ज्ञापन निदेशक मानविकी डा.आर.पी सिंह यादव ने किया। इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डा. अभिषेक सिंह ने कार्यशाला की विषयवस्तु तथा अतिथियों का स्वागत किया। कार्यशाला में परीक्षा नियंत्रक डा. जी.के द्विवेदी, प्रवेश प्रभारी डा. आर.पी सिंह यादव, अध्ययन केन्द्र प्रभारी डा. पी.पी दुबे आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला में इलाहाबाद, कौशाम्बी, चित्रकूट, बांदा, प्रतापगढ़ तथा सुल्तानपुर के केन्द्राध्यक्षों ने प्रतिभाग किया।

हिन्दुस्तान
इलाहाबाद • बुधवार • 23 मई 2018 हिन्दुस्तान

मुक्त विवि में प्रवेश ले सवारें भविष्य

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र से संबद्ध परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों एवं समन्वयकों की कार्यशाला हुई। इस मौके पर कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि जुलाई 2018 से शुरू होने वाले सत्र में विभिन्न पाठ्यक्रमों में एक लाख से अधिक शिक्षार्थियों का नामांकन कराने का लक्ष्य तय किया गया है।

उन्होंने बताया कि मुक्त विवि की ओर से कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। इंटरमीडिएट पास छात्र इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर अपना भविष्य संवार सकते हैं। संचालन डॉ. विनोद कुमार गुप्त एवं धन्यवाद ज्ञापन निदेशक मानविकी डॉ. आरपी सिंह यादव ने किया। डॉ. अभिषेक सिंह ने कार्यशाला की विषयवस्तु के बारे में जानकारी दी तथा स्वागत किया।

अमर उजाला
इलाहाबाद
बुधवार, 23 मई 2018
amarujala.com
करियर को दें नई करवट ओपन एजुकेशन
उत्तर प्रदेश

न्यूज डायरी

परीक्षा में गुणात्मक सुधार लाने पर जोर

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद से संबद्ध परीक्षा केंद्रों के अध्यक्षों एवं समन्यकों की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें कुलपति प्रो. कामशेवर नाथ सिंह ने परीक्षा में गुणात्मक सुधार लाने पर जोर दिया और कहा कि इसमें केंद्राध्यक्षों की बड़ी भूमिका है। उन्होंने का कहा कि परीक्षा की शुचिता को बनाए रखना हमारा दायित्व है। परीक्षा विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता और प्रमाणिकता का मापदंड है। कहा कि छात्र हमारी पूंजी और अध्ययन केंद्र विश्वविद्यालय के आधार स्तंभ हैं। सभी केंद्राध्यक्ष संकल्प लें कि शासन की नीति और नीयत के अनुसार शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षा संपन्न कराएंगे। उन्होंने बताया कि इंटरमीडिएट उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए मुक्त विवि ने कई रोजगारपरक एवं कौशल विकास पर आधारित पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। ऐसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर छात्र अपना कॅरियर संवार सकते हैं। कार्यशाला का संचालन डॉ. विनोद कुमार गुप्त एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आरपी सिंह यादव ने किया। इस मौके पर डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. जीके द्विवेदी, डॉ. पीपी दुबे आदि मौजूद रहे।

मुविवि

इलाहाबाद, बुधवार
23 मई 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 22

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

10 से अधिक भाजपा विधायकों से मांगी रंगदारी } 10
खेल मंत्री राज्यवर्धन ने देश को दिया फिटनेस चैलेंज } 18

मुक्त विश्वविद्यालय से अधूरे सपने करें पूरे

अमरीश शुक्ल, इलाहाबाद

अगर आप की शिक्षा किसी भी कारणवश अधूरी रह गई, आप चूल्हे-चौके, नौकरी या रोजगार में उलझकर उच्च शिक्षा से वंचित रह गए तो चिंता न करें। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय आपके अधूरे सपनों को साकार करने का अवसर देता है। मुक्त विश्वविद्यालय में न तो क्लास रूम शिक्षा, न ही शिक्षार्थी को विश्वविद्यालय आने का दबाव और न ही उपस्थिति की अनिवार्यता। जब मौका मिले, जहां मौका मिले और जैसे मौका मिले, जो भी माध्यम मिले, मुक्त शिक्षा में सब कुछ सम्भव है। बस, पढ़ने और कुछ कर गुजरने की आपमें ललक होनी चाहिए। मुक्त विश्वविद्यालय से स्नातक, परास्नातक, एमबीए, बीएड, स्पेशल बीएड, सर्टिफिकेट, डिप्लोमा कोर्स किए जा सकते हैं।

कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम

छात्र केवल स्नातक-परास्नातक की डिग्री ही न प्राप्त करें वरन अपने को रोजगार के लायक बना सकें इसके लिए कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं। छात्र इन कोर्सों को अपने रेगुलर पाठ्यक्रम के साथ भी कर सकते हैं। इनमें बागवानी, फैशन डिजाइनिंग, माल एवं सेवा कर (जीएसटी), रिमोट सेन्शन, टूर एवं ट्रैवेल मैनेजमेंट, हॉस्पिटल मैनेजमेंट, सीसीसी, प्रबन्धन जैसे विषयों में प्रमाणपत्र एवं डिप्लोमा कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

यू-ट्यूब पर सुन सकेंगे लेक्चर

मुक्त विश्वविद्यालय ने इस सत्र से शिक्षार्थी तक पाठ्यसामग्री की पहुंच के सरलीकरण के साथ-साथ अध्ययन के उपागम के रूप में यू-ट्यूब, आकाशवाणी व डिजिटल टेक्नोलॉजी का उपयोग शुरू किया है। छात्र यू-ट्यूब पर लेक्चर सुन सकेंगे।

इस विश्वविद्यालय की स्थापना भारत माता के वीर सपूत भारत रत्न राजर्षि पुरुषोतम दास टंडन के नाम से 1999 में की गई। विश्वविद्यालय का उद्देश्य ऐसे लोगों की पहुंच में उच्च शिक्षा को लाना है जो दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। इनमें गृहिणी, उपेक्षित लोग, नौकरीपेशा, ऐसे युवा जो अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाना चाहते हैं शामिल हैं। विश्वविद्यालय ने समय के साथ अपने को अपडेट करते हुए कई रोजगारपरक कोर्स भी शुरू किए हैं। हमारा उद्देश्य उच्च शिक्षा को सभी की पहुंच में लाना है। वर्तमान में विश्वविद्यालय अपने 700 अध्ययन केंद्रों, 11 क्षेत्रीय कार्यालयों व 107 शैक्षिक कार्यक्रमों के साथ गुणवत्तापरक शिक्षा देने को कृतसंकल्पित है।

प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय।

सुविधाओं से लैस है विवि

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक, शैक्षणिक एवं आवासीय तीन परिसर हैं, जिन्हें गंगा, यमुना व सरस्वती के नाम से जाना जाता है। गंगा परिसर में बैंक, पोस्ट ऑफिस, अतिथि गृह, कैंटीन, योग सेन्टर, मेडिकेयर सेन्टर आदि हैं। विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में पुस्तकालय भवन, याज्ञवल्क्य ग्रंथालय, ऑडियो-विजुअल लैब, गार्गी सभागार, महामना मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त समारोह प्रांगण, लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार, कम्प्यूटर लैब, गांधी कक्ष एवं चरखा प्रयोगशाला आदि विद्यमान हैं। साथ ही इस परिसर में 1000 व्यक्तियों की क्षमता वाले ऑडिटोरियम का निर्माण-कार्य भी तेजी से चल रहा है।

दाखिले की दौड़

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन।

जल्द ही रेगुलर मोड में कर सकेंगे पीएचडी

मुक्त विश्वविद्यालय में जल्द ही आप रेगुलर मोड में पीएचडी कर सकेंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इसकी मंजूरी दे दी है। मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान शाखा, मैनेजमेंट, कृषि शाखा आदि में पीएचडी शुरू होगी। विश्वविद्यालय ने यूजीसी की मंजूरी मिलने के बाद शासन को यह प्रस्ताव भेज दिया है। शासन से मंजूरी मिलने के बाद इस प्रस्ताव को आर्डिनेंस में शामिल कर लिया जाएगा। इसके बाद पीएचडी कोर्स शुरू कर दिया जाएगा। शोध में प्रवेश प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही होगा।

अब चार नए विषयों में कर सकेंगे परास्नातक

इलाहाबाद : मुक्त विश्वविद्यालय ने इस शैक्षिक सत्र से चार नए विषयों में परास्नातक करने की व्यवस्था की है। इनमें भूगोल, सामान्य प्रशासन, पोषण विज्ञान, गृह विज्ञान शामिल है। जुलाई सत्र से इन विषयों में स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया जाएगा। प्रवेश में आयु एवं संख्या की कोई सीमा नहीं है। साल में दो बार प्रवेश एवं दो बार परीक्षा मुक्त विश्वविद्यालय की विशिष्टता है।

समस्याओं के लिए टोल फ्री नंबर

विश्वविद्यालय ने देश-प्रदेश में फैले 50 हजार से ऊपर परीक्षार्थियों की समस्याओं के निराकरण के लिए टोल फ्री नंबर 18001201111333 जारी किया है। इस नंबर पर कोई भी विद्यार्थी कार्यालयीय समयावधि में फोन कर किसी भी कोर्स या समस्या के संबंध में अपनी बात कह सकता है। इसके लिए कोई शुल्क देय नहीं है। छात्रों के लिए मोबाइल एप भी है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है।

पुरातन छात्र परिषद का गठन : व्यस्तता के युग में जन समुदाय के बीच बढ़ते हुए अन्तराल को पाटने की दृष्टि से विश्वविद्यालय के पुरातन छात्रों का एक संगठन, पुरातन छात्र परिषद के नाम पर गठित किया गया है। इसके तहत हर साल विश्वविद्यालय व क्षेत्रीय अध्ययन केंद्रों पर कार्यक्रम होंगे।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

24 मई, 2018

आगामी जून 2018 की परीक्षा हेतु विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर भेजी जाने वाली परीक्षा सामग्री रवाना करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

25 मई, 2018

मुविवि में त्रिदिवसीय सतत् पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम

दिनांक 25 मई, 2018 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षा विद्याशाखा की तरफ से आयोजित त्रिदिवसीय सतत् पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम आयोजित की गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण जी एवं मुख्य वक्ता डॉ0 शकुन्तला मिश्र राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के स्पेशल एजुकेशन संकाय के संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष प्रो0 रजनी रंजन सिंह जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

कार्यक्रम का संचालन डॉ0 रामजन्म मौर्य ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 आर0पी0 सिंह यादव ने किया। कार्यक्रम की विषयवस्तु के बारे में डॉ0 नीता मिश्रा तथा अतिथियों का स्वागत प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय ने किया।

अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो0 आर0आर0 सिंह तथा प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डेय ने व्याख्यान दिए। त्रिदिवसीय सतत् पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का समापन 27 मई को होगा। कार्यक्रम में 30 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथि।

कार्यशाला का संचालन करते हुए सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ0 रामजनम मौर्या एवं मंचासीन माननीय अतिथि।

मुख्य अतिथि मा0 न्यायमूर्ति सुधीर नारायण जी, मुख्य वक्ता प्रो0 रजनी रंजन सिंह जी एवं कार्यशाला के अध्यक्ष मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करती हुई विश्वविद्यालय की शिक्षकायें डॉ0 नीता मिश्रा, डॉ0 साधना श्रीवास्तव तथा डॉ0 मीरा पाल।

माननीय अतिथियों का परिचय एवं स्वागत करते हुए प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा डॉ0 पी0 के0 पाण्डेय।

सभागार में उपस्थित प्रतिभागीगण।

कार्यशाला का विषयवस्तु प्रस्तुत करती हुई डॉ0 नीता मिश्रा।

प्रो0 रजनी रंजन सिंह

मुख्य वक्ता डॉ0 शकुन्तला मिश्र राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के स्पेशल एजुकेशन संकाय के संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष प्रो0 रजनी रंजन सिंह ने कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढाना बहुत चुनौतीपूर्ण कार्य है। स्पेशल एजूकेशन के क्षेत्र में प्रवेश कर रहे शिक्षकों को आत्म साक्षात्कार की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने सतत् पुनर्वास कार्यक्रम की आवश्यकता एवं महत्ता को इंगित करते हुए शिक्षा व पुनर्वास में तकनीकी एवं नवाचारों के प्रयोग व उसके विभिन्न प्रकार के प्रतिमानों (माडल्स) को स्पष्ट किया। प्रो0 सिंह ने कहा कि समाकलित समाज की परिकल्पना को समावेशी शिक्षा के माध्यम से ही साकार किया जा सकता है।

माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण जी

शिक्षा से ही जागरूक और एकीकरण होगा समाज– न्यायमूर्ति नारायण

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण जी ने कहा कि वैचारिक भिन्नता सभी समस्याओं की जड़ है। वैचारिक मतभेद से विवाद उत्पन्न होते हैं और यही विनाश का कारण है। इसके समाधान के लिए त्वरित प्रयास होने चाहिए, इसमें शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज को जागरूक करके एकीकरण की ओर बढ़ाया जा सकता है। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति नारायण ने कहा कि जागरूकता के बिना सामाजिक समाकलन संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि भूगोल विषय का ज्ञान प्रत्येक बालक को कराया जाना चाहिए। इस सम्बन्ध में उन्होंने रामजन्म भूमि तथा कावेरी जल विवाद में दिये गये निर्णय के सम्बन्ध में अपने भौगोलिक ज्ञान की उपयोगिता को साझा किया।

मुख्य अतिथि मा0 न्यायमूर्ति सुधीर नारायण जी एवं मुख्य वक्ता प्रो0 रजनी रंजन सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

माननीय कुलपति
प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी
को
अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान
करते हुए
माननीय अतिथि
एवं
विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने स्थान और समय की महत्ता को स्पष्ट करते हुये पूरब और पश्चिम की वैचारिक भिन्नताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वैचारिक अंतर्द्वन्द की स्थिति है। समाज को प्रेरित करने वाले व्यक्तित्वों की महती आवश्यकता है। प्रो0 सिंह ने यूनेस्को की डेलर्स रिपोर्ट के सम्बन्ध में स्पष्ट किया कि वास्तव में यह रिपोर्ट भारत की प्राचीन एवं सनातन संस्कृति का ही रूपान्तरण है। डेलर्स रिपोर्ट का प्रतिपादन 21वीं शताब्दी की शिक्षा के सम्बन्ध में किया गया है। कुलपति प्रो0 सिंह ने समतायुक्त, विषमतामुक्त और समरसतापूर्ण विचारधारा की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने पं0 दीन दयाल उपाध्याय के अन्त्योदय के दर्शन को स्पष्ट करते हुए कहा कि शिक्षा एवं विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में अन्त्योदय के सिद्धान्त को अपनाने की आवश्यकता है। प्रो0 सिंह ने कहा कि कोई भी बालक बिना गुण के नहीं होता, हमें उसके गुण की पहचान कर उसके सर्वांगीण विकास के अवसर उपलब्ध कराने होंगे।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए निदेशक मानविकी विद्याशाखा डॉ0 आर0पी0 सिंह यादव

इलाहाबाद, शनिवार
26 मई 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 24+4=28

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

विकल्प बनने का संघर्ष करता विपक्ष } 06 साहसिक राजनीति के नए युग का आगाज } 07

'जागरूकता के बिना सामाजिक समाकलन संभव नहीं'

समाधान के त्वरित प्रयास में शिक्षा की भूमिका अहम, शिक्षा से समाज को जागरूक करके बढ़ सकते हैं एकीकरण की ओर

जासं, इलाहाबाद : वैचारिक भिन्नता सभी समस्याओं की जड़ है। वैचारिक मतभेद से विवाद उत्पन्न होते हैं और यही विनाश का कारण है। इसके समाधान के लिए त्वरित प्रयास होने चाहिए, इसमें शिक्षा की भूमिका अहम है। यह उद्गार मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में व्यक्त किए। वह शिक्षा विद्या शाखा की तरफ से आयोजित त्रिदिवसीय सतत् पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज को जागरूक करके एकीकरण की ओर बढ़ाया जा सकता है। न्यायमूर्ति नारायण ने कहा कि जागरूकता के बिना सामाजिक समाकलन संभव नहीं है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि में संबोधित करते न्यायमूर्ति सुधीर नारायण।

अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि वर्तमान में वैचारिक अंतर्द्वंद की स्थिति है। समाज को प्रेरित करने वाले व्यक्तियों की आवश्यकता है। उन्होंने पं. दीन दयाल उपाध्याय के अन्त्योदय के दर्शन को स्पष्ट करते हुए कहा कि शिक्षा एवं विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में अन्त्योदय के सिद्धान्त को अपनाने की आवश्यकता है।

मुख्य वक्ता डॉ. शकुंतला मिश्र राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के स्पेशल एजुकेशन संकाय के संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष प्रो. रजनी रंजन सिंह ने कहा कि स्पेशल एजूकेशन के क्षेत्र में प्रवेश कर रहे शिक्षकों को आत्म साक्षात्कार की आवश्यकता है। संचालन डॉ. रामजन्म मौर्य ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आरपी सिंह यादव ने किया। कार्यक्रम की विषयवस्तु के बारे में डॉ. नीता मिश्रा तथा स्वागत प्रभारी निदेशक प्रो. पीके पांडेय ने किया। प्रो. आरआर सिंह तथा प्रो. प्रदीप कुमार पांडेय ने व्याख्यान दिए। सतत् पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का समापन 27 मई को होगा।

उत्तर कोरिया अब भी वार्ता के लिए तैयार पेज 17

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान इलाहाबाद • शनिवार • 26 मई 2018

धड़कन

यूपीआरटीओयू में संगोष्ठी को संबोधित करते न्यायमूर्ति सुधीर नारायण।

वैचारिक भिन्नता सभी समस्याओं की जड़

इलाहाबाद। राजर्षि टंडन मुक्त विवि में आयोजित सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि वैचारिक भिन्नता सभी समस्याओं की जड़ है। वैचारिक मतभेद से विवाद उत्पन्न होते हैं और यही विनाश का कारण है। इसके समाधान के लिए त्वरित प्रयास होने चाहिए।

महानगर
वर्ष 21 | अंक 340 | पृष्ठ : 20
मूल्य : पांच रुपये

अमर उजाला

इलाहाबाद
रविवार, 26 मई 2018
amarujala.com

वैचारिक भिन्नता ही सभी समस्याओं की जड़

इलाहाबाद। वैचारिक भिन्नता सभी समस्याओं की जड़ है। वैचारिरक मतभेद से विवाद उत्पन्न होते हैं और यही विनाश का कारण है। इसके समाधान के लिए त्वरिक प्रयास होना चाहिए और इसमें शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह विचार न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने शुक्रवार को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम में व्यक्त किए। बतौर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज को जागरूक करके एकीकरण की ओर

मुविवि

बढ़ाया जा सकता है। जागरूकता के बिना सामाजिक समाकलन संभव नहीं है। अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने स्थान और समय की महत्ता को स्पष्ट करते हुए पूरब और पश्चिम की वैचारिक भिन्नताओं पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के स्पेशल एजुकेशन संकाय के अध्यक्ष डॉ. शकुंतला मिश्र और विभागाध्यक्ष प्रो. रजनी रंजन सिंह ने कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाना चुनौतीपूर्ण कार्य है। स्पेशल एजूकेशन के क्षेत्र में प्रवेश कर रहे शिक्षकों को आत्म साक्षात्कार की जरूरत है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रामजन्म मौर्य और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आरपी सिंह यादव ने किया।

इलाहाबाद, शनिवार, 26 मई, 2018
जनसंदेश टाइम्स
परख सच की

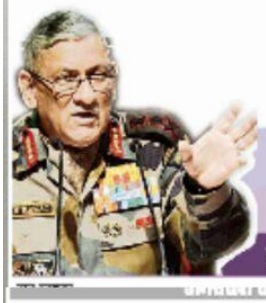

घुसपैठ रुके बिना कश्मीर में शांति नहीं:सेना प्रमुख - 15

विराट कोई मशीन नहीं इंसान है : शास्त्री -1

इलाहाबाद माइल

शिक्षा से ही जागरूक और एकीकरण होगा समाज : न्यायमूर्ति

मुविवि में त्रिदिवसीय सतत् पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम

संबोधित करते न्यायमूर्ति

इलाहाबाद। वैचारिक भिन्नता सभी समस्याओं की जड़ है। वैचारिक मतभेद से विवाद उत्पन्न होते हैं और यही विनाश का कारण है। इसके समाधान के लिए त्वरित प्रयास होने चाहिए। इसमें शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए शिक्षा के माध्यम से ही समाज को जागरूक करके एकीकरण की ओर बढ़ाया जा सकता है। उक्त उद्‌गार मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने शुक्रवार को उप्र राजर्षि टण्डन टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षा विद्याशाखा की तरफ से आयोजित त्रिदिवसीय सतत् पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जागरूकता के बिना सामाजिक समाकलन संभव नहीं है। कहा कि भूगोल विषय का ज्ञान प्रत्येक बालक को कराया जाना चाहिए। इस सम्बन्ध में उन्होंने रामजन्म भूमि तथा कावेरी जल विवाद में दिये गये निर्णय के सम्बन्ध में अपने भौगोलिक ज्ञान की उपयोगिता को साझा भी किया। मुख्य वक्ता डाशकुन्तला मिश्र राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के स्पेशल एजुकेशन संकाय के संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष प्रो.रजनी रंजन सिंह ने कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाना बहुत चुनौतीपूर्ण कार्य है। स्पेशल एजूकेशन के क्षेत्र में प्रवेश कर रहे शिक्षकों को आत्म साक्षात्कार की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने सतत् पुनर्वास कार्यक्रम की आवश्यकता एवं महत्ता को इंगित करते हुए शिक्षा व पुनर्वास में तकनीकी एवं नवाचारों के प्रयोग व उसके विभिन्न प्रकार के प्रतिमानों (माडल्स) को स्पष्ट किया। कहा कि समाकलित समाज की परिकल्पना को समावेशी शिक्षा के माध्यम से ही साकार किया जा सकता है। अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रोक्रामेश्वर नाथ सिंह ने स्थान और समय की महत्ता को स्पष्ट करते हुये पूरब और पश्चिम की वैचारिक भिन्नताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान में वैचारिक अंतर्द्वन्द की स्थिति है। समाज को प्रेरित करने वाले व्यक्तित्वों की महती आवश्यकता है। उन्होंने यूनेस्को की डेलर्स रिपोर्ट के सम्बन्ध में स्पष्ट किया कि वास्तव में यह रिपोर्ट भारत की प्राचीन एवं सनातन संस्कृति का ही रूपान्तरण है। डेलर्स रिपोर्ट का प्रतिपादन 21वीं शताब्दी की शिक्षा के सम्बन्ध में किया गया है। कुलपति ने समतायुक्त, विषमतामुक्त और समरसतापूर्ण विचारधारा की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने पंदीन दयाल उपाध्याय के अन्त्योदय के दर्शन को स्पष्ट करते हुए कहा कि शिक्षा एवं विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में अन्त्योदय के सिद्धान्त को अपनाने की आवश्यकता है। कोई भी बालक बिना गुण के नहीं होता, हमें उसके गुण को पहचान कर उसके सर्वांगीण विकास के अवसर उपलब्ध कराने होंगे। कार्यक्रम का संचालन डाग्रामजन्म मौर्य ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डा.आरपी सिंह यादव ने किया। कार्यक्रम की विषयवस्तु के बारे में डानीता मिश्रा तथा अतिथियों का स्वागत प्रभारी निदेशक प्रो.पीके पाण्डेय ने किया। अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो. आरआर सिंह तथा प्रोप्रदीप कुमार पाण्डेय ने व्याख्यान दिए।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

26 मई, 2018

गोरखपुर एवं फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों एवं समन्वयकों की कार्यशाला

दिनांक 26 मई, 2018 को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के संवाद भवन के सभागार में गोरखपुर एवं फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों एवं समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता उ0प्र0 राजर्षि टण्डन टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

कार्यशाला का संचालन प्रो0 संजीत गुप्ता, समन्वयक, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने एवं परीक्षा के बारे में तथा धन्यवाद ज्ञापन निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा डॉ0 पी0 पी0 दुबे ने किया। प्रवेश के सम्बन्ध में निदेशक मानविकी विद्याशाख एवं प्रवेश प्रभारी डॉ0 आर0पी0 सिंह यादव ने बताया। गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 आर0पी0एम0 त्रिपाठी ने कार्यशाला की विषयवस्तु तथा धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यशाला में फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 शशि भूषण त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रवेश प्रभारी डॉ0 आर0पी0 सिंह यादव, अध्ययन केन्द्र प्रभारी डॉ0 पी0पी0 दुबे आदि ने विचार व्यक्त किए। टेक्निकल आफिसर श्री सहबाज अहमद ने आन–लाइन प्रवेश प्रक्रिया के बारे में प्रस्तुतिकरण किया।कार्यक्रम के आयोजन में डॉ0 संजीव कुमार सिंह, डॉ0 आनन्द कुशवाहा, डॉ0 शालिनी मिश्रा आदि की प्रमुख भूमिका रही। कार्यशाला में गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत एवं फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत के केन्द्राध्यक्षों ने प्रतिभाग किया।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा साथ में गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 आ.पी.एम. त्रिपाठी एवं प्रो0 संजीत गुप्ता।

कार्यशाला का संचालन करते हुए प्रो0 संजीत गुप्ता, समन्वयक, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

सरस्वती वन्दना के समय खडे माननीय अतिथि

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकगण।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 आर0पी0एम0 त्रिपाठी

कार्यशाला की विषयवस्तु रखते हुए गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 आर0पी0एम0 त्रिपाठी

माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 शशि भूषण त्रिपाठी स्वागत

कार्यशाला में अपने अपने विचार एवं सुझाव देते हुए परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्ष एवं समन्वयकगण।।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

वंचितो तक रोजगारपरख शिक्षा पहुंचाना यूपीआरटीओयू का लक्ष्य – कुलपति

कार्यशाला कं मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने कहा कि बदलते दौर में रोजगारपरख शिक्षा की जरुरत है। इसे देखते हुए यूपीआरटीओयू ने कई अहम कोर्स शुरु किए हैं। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय सूबे का पहला ऐसा विश्वविद्यालय बनेगा जहा वैदिक गणित की पढाई होगी। अब इस क्रम को आगे बढ़ाते हुए यहा से वैदिक गणित, जीएसटी, कृषि प्रबन्धन और रिमोर्ट सोंसिंग के क्षेत्र में विशेषज्ञयता हासिल की जा सकजी है। विश्वविद्यालय ने एक साल का डिप्लोमा कोर्स तैयार कराया है। 3 जुलाई को विषयविशेषज्ञयों की कार्यशाला होगी और 8 जुलई को कार्य परिषद कोर्स शुरु करने पर मुहर लगा देगी। सत्र 2018–19 में पाठ्यक्रम लागू होगा, जिसमें प्रवेश 18–19 जुलाई से शुरु हो रहे सत्र में लिए जा सकेगें। यही नहीं दूरस्थ शिक्षा के तहत भूगोल की पढ़ाई भी संभव हो सकेंगी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा से वंचित रह गये लोगों तक शिक्षा पहुचाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सुविधाहीन क्षेत्रों में उच्च शिक्षा को बढ़ाने के लिए अब अध्ययन केन्द्रों का विस्तार किया जा रहा है।

प्रो0 सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश सरकार की नीतियों और नीयत के तहत परीक्षाओं की शुचिता बनाये रखने को शीर्ष प्राथमिकता पर रखता है। सरयूपार मैदान के पॉच उन अति पिछड़े जिलों में उच्च शिक्षा का प्रचार प्रसार विश्वविद्यालय की प्राथमिकता में है। बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और गोंडा जिले इसी क्षेत्र के हैं, इसलिए गोरखपुर में कार्यशाला आयोजित की गयी है। इन जिलों की प्रति व्यक्ति आय बुन्देलखण्ड से भी कम है। अभी तक इन क्षेत्रों में अध्ययन केन्द्रों की संख्या प्रदेश में सबसे कम है। उच्च शिक्षा में नामांकन अनुपात 8 फीसदी से भी कम है, जबकि देश का यह औसत 25 फीसदी है। इन क्षेत्रों में अधिक से अधिक अध्ययन केन्द्र खोलने की योजना है।

समापन सत्र

पीपीटी के माध्यम से आन–लाइन प्रवेश प्रक्रिया के बारे में बताते हुए टेक्निकल आफिसर श्री सहबाज अहमद

डॉ0 आर0पी0 सिंह यादव

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में निदेशक मानविकी विद्याशाख एवं प्रवेश प्रभारी डॉ0 आर0पी0 सिंह यादव ने बताया कि यूपीआरटीओयू में जुलाई सत्र से पॉच नये पाठ्यक्रमों की शुरुआत हो रही है। साथ ही पृथ्वी विज्ञान की नई फैकल्टी की स्थापना भी की जा रही है।

डॉ0 पी0 पी0 दुबे

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं अध्ययन केन्द्र प्रभारी डॉ0 पी0 पी0 दुबे ने परीक्षा से सम्बन्धित सभी प्रपत्रों और परीक्षा की बारीकियों, नकल विरोधी अध्यादेश आदि के बारे बताया और कहा कि परीक्षा में गुणात्मक सुधार लाने में परीक्षा केन्द्र के केन्द्राध्यक्षों की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि छात्र हमारी पूंजी एवं अध्ययन केन्द्र विश्वविद्यालय के आधार स्तम्भ हैं।

कार्यशाला समापन सत्र में अपने विचार व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

कार्यशाला समापन सत्र में अपने विचार व्यक्त करते हुए शिव हर्ष किसान पी.जी. कालेज, बस्ती के प्राचार्य, डॉ0 आर.एस. त्रिपाठी जी

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 आर0पी0एम0 त्रिपाठी

गोरखपुर, रविवार
27 मई 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 24+4+4=32

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

सफेद झूठ बोलने वाली है मोदी सरकार: मायावती } 13
घोर निराशा भरे रहे चार साल: अखिलेश यादव } 13

गोरखपुर जागरण

दैनिक जागरण
www.jagran.com गोरखपुर, 27 मई 2018

कार्यशाला का उद्घाटन करते यूपीआरटीओयू के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह व अन्य

वंचितों तक रोजगारपरक शिक्षा पहुंचाना यूपीआरटीओयू का लक्ष्य

वैदिक गणित, जीएसटी, रिमोट सेंसिंग में शुरू हो रहे नए कोर्स
समन्वयकों की कार्यशाला में कुलपति ने दी जानकारी

जासं, गोरखपुर : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि (यूपीआरटीओयू) कतिपय कारणों से उच्च शिक्षा से वंचित रह गए लोगों तक शिक्षा का प्रकाश पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। बदलते दौर में रोजगारपरक शिक्षा की जरूरत को देखते हुए विश्वविद्यालय ने कई महत्वपूर्ण कोर्स शुरू किए हैं और अब इस क्रम को आगे बढ़ाते हुए वैदिक गणित, जीएसटी, कृषि प्रबंधन और रिमोट सेंसिंग के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल की जा सकती है। यही नहीं दूरस्थ शिक्षा के तहत भूगोल की पढ़ाई भी संभव हो सकेगी। यह जानकारी यूपीआरटीओयू के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने गोविवि परिसर में आयोजित केंद्राध्यक्षों एवं अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की एक दिनी कार्यशाला में दी। कुलपति ने कहा कि उच्च शिक्षा में नामांकन अनुपात प्रदेश में आठ फीसद से कम है जबकि देश में यह 25 फीसद तक है। उत्तर प्रदेश की सुविधाहीन और भौगोलिक जटिलताओं के शिकार क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की अभिगम्यता बढ़ाने के लिए अब अध्ययन केंद्रों का विस्तार किया जा रहा है। यूपीआरटीओयू छात्रों तक पाठ्य सामग्री पहुंचाने के लिए भी विवि संकल्पित है। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में विवि मुख्य शाखा के मानविकी शाखा निदेशक डॉ. आरपीएस यादव ने बताया कि जुलाई सत्र से पांच नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत हो रही है, साथ ही पृथ्वी विज्ञान की नई फैकल्टी की स्थापना भी की जा रही है। नए पाठ्यक्रमों में जीएसटी, इंटीग्रेटेड एग्रीकल्चर एंड मैनेजमेंट और रिमोट सेंसिंग में सर्टिफिकेट कोर्स शामिल हैं तो नई फैकल्टी स्कूल आफ अर्थ साइंस अंतर्गत बीए और एमए में भूगोल की पढ़ाई शुरू हो रही है। कार्यशाला में विवि मीडिया सेल के शहबाज अली ने प्रवेश की प्रक्रिया का प्रस्तुतीकरण भी किया तो कृषि शाखा के प्रो. पीपी दुबे ने परीक्षा से संबंधित सभी प्रपत्रों और परीक्षा की बारीकियों आदि पर विशेष व्याख्यान दिया। सभी सत्रों का संचालन यूपीआरटीओयू के गोरखपुर विश्वविद्यालय स्थित केंद्र समन्वयक प्रो. संजीत गुप्त ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन गोरखपुर क्षेत्र के निदेशक प्रो. आरपीएस त्रिपाठी ने किया।

उत्तर कोरिया से वार्ता को सकारात्मक बातचीत
अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप बोले-12 जून को सिंगापुर में किम जोंग से शिखर बैठक अब भी हो सकती है 13

रविवार

पूर्व आईएसआई प्रमुख असद दुर्रानी तलब
नवाज शरीफ और रब्बानी की आपत्ति के बाद पाक में बवाल, विवाद में घिरी भारत-पाक खुफिया प्रमुखों की लिखी किताब 18

अमर उजाला

amarujala.com
गोरखपुर
रविवार, 27 मई 2018
महानगर
वर्ष 12 | अंक 52 | पृष्ठ : 20+4=24
मूल्य : पांच रुपये

अमर उजाला | गोरखपुर | amarujala.com | गोरखपुर रविवार, 27 मई 2018

रोजगारपरक शिक्षा बनी बदलते दौर की जरूरत : प्रो. केएन सिंह

यूपीआरटीओयू ने शुरू किए रिमोट सेंसिंग, वैदिक गणित के नए कोर्स

अमर उजाला ब्यूरो
गोरखपुर।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) की ओर से शनिवार को केंद्राध्यक्षों ओर अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन गोरखपुर यूनिवर्सिटी के संवाद भवन में किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि बदलते दौर में रोजगारपरक शिक्षा की जरूरत है। इसे देखते हुए यूपीआटीओयू ने कई अहम कोर्स शुरू किए हैं। अब इस क्रम को आगे बढ़ाते हुए यहां से वैदिक गणित, जीएसटी, कृषि प्रबंधन और रिमोट सेंसिंग के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल की जा सकती

संवाद भवन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्यशाला को कुलपति प्रो. केएन सिंह के साथ ही अन्य लोगों ने भी संबोधित किया।

है। यही नहीं दूरस्थ शिक्षा के तहत भूगोल की पढ़ाई भी संभव हो सकेगी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा से वंचित रह गए लोगों तक शिक्षा पहुंचाने के लिए प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सुविधाहीन क्षेत्रों में उच्च शिक्षा को बढ़ाने के लिए अब अध्ययन केंद्रों का विस्तार किया जा रहा है। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में विश्वविद्यालय मुख्य शाखा के मानविकी शाखा निदेशक डॉ. आरपीएस यादव ने बताया कि यूपीआरटीओयू में जुलाई सत्र से पांच नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत हो रही है। साथ ही पृथ्वी विज्ञान की नई फैकल्टी की स्थापना भी की जा रही है। कृषि शाखा के प्रो. पीपी दुबे ने परीक्षा से संबंधित सभी प्रपत्रों और परीक्षा की बारीकियों, नकल विरोधी अध्यादेश आदि पर विशेष व्याख्यान दिया। संचालन यूपीआरटीओयू के गोरखपुर विश्वविद्यालय स्थित केंद्र समन्वयक प्रो. संजीत गुप्त ने किया।

रविवार,27 मई, 2018

पिछले अंक

रविवासरीय

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

सरकारी पद से इनकार

पूर्व क्रिकेटर और पंजाब सरकार में मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा है कि उनकी पत्नी और बेटा कोई सरकारी पद नहीं लेंगे।

चक्रवाती तूफान मेकुनु से ओमान में भारी तबाही पेज 18 | केंद्र सरकार ने वादे पूरे नहीं किए तो फिर आंदोलन : अन्ना पेज 19

www.livehindustan.com

वैदिक गणित की शिक्षा देगा राजर्षि टंडन विवि

गोरखपुर | कार्यालय संवाददाता

राजर्षि टंडन मुक्त विवि सूबे का पहला ऐसा विवि बनेगा जहां वैदिक गणित की पढ़ाई होगी। कुलपति प्रो. केएन सिंह ने एक साल के डिप्लोमा कोर्स का पाठ्यक्रम तैयार कराया है। तीन जुलाई को विषय विशेषज्ञों की कार्यशाला होगी और 8 जुलाई को कार्य परिषद कोर्स शुरू करने पर मुहर लगा देगी। सत्र 2018-19 में यह पाठ्यक्रम लागू होगा, जिसके प्रवेश 18-19 जुलाई से शुरू हो रहे सत्र में लिए जा सकेंगे।

मुक्त विवि की ओर से डीडीयू के संवाद भवन में आयोजित कार्यशाला में कुलपति प्रो. केएन सिंह ने यह जानकारी दी। विवि के क्षेत्रीय निदेशक प्रो. आरपीएम त्रिपाठी की ओर से आयोजित कार्यशाला में आए कुलपति ने विवि के सभी अध्ययन केन्द्राध्यक्षों को विवि के नए कोर्स के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि उच्च शिक्षा से वंचित लोगों तक पाठ्य सामग्री पहुंचाने को कृत संकल्पित मुक्त विवि प्रदेश सरकार की नीतियों व नीयति के तहत परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने को शीर्ष प्राथमिकता पर रखता है। सरयूपार मैदान के पांच उन अति पिछड़े जिलों में उच्च शिक्षा का प्रचार प्रसार विवि की प्राथमिकता में है। बहराइच, श्रावस्ती,

विवि संवाद भवन में शनिवार को उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि द्वारा आयोजित केन्द्राध्यक्षों एवं समन्वयकों की कार्यशाल में कुलपति प्रो. केएन सिंह व अन्य।

रोजगारपरक कोर्स शुरू होंगे

मुख्य शाखा के मानविकी शाखा निदेशक डॉ. आरपीएस यादव ने कहा कि इस सत्र से भूगोल, सामान्य प्रशासन, गृह विज्ञान, जीएसटी, एग्री बिजनेस एवं रिमोट सेंसिंग जैसे रोजगार परक कोर्स शुरू होंगे। 18-19 जुलाई से शुरू हो रहे सत्र में इन कोर्सेज में भी प्रवेश लिए जाएंगे।

बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और गोंडा जिले इसी क्षेत्र के हैं, इसलिए गोरखपुर में कार्यशाला आयोजित की गई है। इन जिलों की प्रति व्यक्ति आय बुंदेलखंड से भी कम है। अभी तक इन क्षेत्रों में अध्ययन केन्द्रों की संख्या प्रदेश में सबसे कम है। उच्च शिक्षा में नामांकन अनुपात 8 फीसदी से भी कम है, जबकि देश का यह औसत 25 फीसदी है। इन क्षेत्रों में अधिक से अधिक अध्ययन केन्द्र खोलने की योजना है। मीडिया सेल के शहबाज अली ने प्रवेश प्रक्रिया को पीपीटी के माध्यम से स्पष्ट किया। कृषि शाखा के प्रोफेसर पीपी दूबे ने परीक्षा संबंधी सभी प्रपत्रों एवं परीक्षा की बारीकियों से अवगत कराया। नकल विरोधी अध्यादेश के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। संचालन मुक्त विवि के डीडीयू केन्द्र समन्वयक प्रो. संजीत गुप्त ने किया। धन्यवाद ज्ञापन गोरखपुर क्षेत्र के निदेशक प्रो. आरपीएम त्रिपाठी ने किया। स्वागत फैजाबाद के निदेशक डॉ. शशिभूषण राम त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. संजीव कुमार सिंह, आनंद कुशवाहा, शलिनी मिश्रा आदि की प्रमुख भूमिका रही।

www.facebook.com/rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www..rashtriyasahara.com

संडे
राष्ट्रीय सहारा

भाजपा के गलत कार्य बर्दाश्त नहीं करूंगा : उद्धव पेज-09

अब घर बैठे कीजिए म्यूचुअल फंड में निवेश पेज-15

गोरखपुर। रविवार • 27 मई • 2018

आमजन को उच्च शिक्षा राजर्षि का अनूठा अभियान

■ गोरखपुर।

सहारा न्यूज ब्यूरो।

परंपरागत विश्वविद्यालयों से इतर उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय आम जन को उच्च शिक्षा मुहैया कराने का अनूठा अभियान है। यह विश्वविद्यालय ऐसे लोगों तक पाठ्य सामग्री पहुंचाने को संकल्पित है जो किन्ही कारणोंवश उच्च शिक्षा से वंचित रह गये हैं।

यह बातें राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहीं। वह शनिवार को दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय के संवाद भवन में राजर्षि अध्ययन केंद्रों व केंद्राध्यक्षों की एक दिवसीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उप्र सरकार की नीति व नियति के मुताबिक मुक्त विवि के प्रवेश व परीक्षाओं की शुचिता राजर्षि की प्राथमिकता है।

द्वितीय सत्र में मुख्य शाखा के

उप्र राजर्षि मुक्त विवि के अध्ययन केंद्रों व केंद्राध्यक्षों की एक दिवसीय कार्यशाला

भूगोल, सामान्य प्रशासन, गृह विज्ञान, जीएसटी, एग्री बिजनेस व रिमोट सेंसिंग जैसे पाठ्यक्रम सत्र 2018-19 से : डा. यादव

मानविकी शाखा के निदेशक डा.आरपी एस यादव ने कहा कि भूगोल, सामान्य प्रशासन, गृह विज्ञान, जीएसटी, एग्री बिजनेस व रिमोट सेंसिंग जैसे पाठ्यक्रम में प्रवेश 2018-19 सत्र से प्रारंभ होगा। निष्क्रिय व बंद पड़े केन्द्रों को और सक्रिय किया जाएगा। मीडिया सेल के शहवाज अली ने प्रवेश प्रक्रिया को पीपीटी के जरिये स्पष्ट किया। कृषि शाखा के प्रोफेसर पीपी दुबे ने परीक्षा से संबंधित सभी प्रपत्रों व परीक्षा की बारीकियों की जानकारी दी।

स्वागत फैजाबाद के निदेशक डा. शशिभूषण राम त्रिपाठी ने किया। संचालन गोरखपुर विवि के मुक्त विवि के केन्द्र समन्वयक प्रो. संजीत गुप्ता ने किया। आभार ज्ञापन गोरखपुर क्षेत्र के निदेशक प्रो.आरपीएम त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर डा. संजीव कुमार सिंह, आनंद कुशवाहा, शालिनी मिश्रा, वायुनंदन पाण्डेय, अभिमन्यु, नंदिनी मौर्या ने स्वयंसेवक की भूमिका निभायी।

जनसंदेश टाइम्स

इलाहाबाद मंडल

मुविवि की परीक्षाएं 29 मई से होगी शुरू

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के सत्र जून-2018 की परीक्षायें 29 मई से 7 जुलाई तक आयोजित की जायेगी। प्रदेश के 11 क्षेत्रीय केन्द्रों से सम्बद्ध 800 अध्ययन केन्द्रों में पंजीकृत लगभग 50 हजार शिक्षार्थी प्रदेश में स्थित 85 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देंगे।

उक्त जानकारी परीक्षा नियंत्रक डा. गिरीश कुमार द्विवेदी ने देते हुए बताया कि क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, बरेली, कानपुर, आगरा, झांसी, नोएडा, मेरठ तथा फैजाबाद से सम्बद्ध 800 अध्ययन केन्द्रों पर परीक्षाएं होंगी। परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र ऑनलाइन कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षा समय सारणी भी परीक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

डा. द्विवेदी ने बताया कि सत्रीय परीक्षायें तीन पालियों में प्रातः 7 से 10 बजे तक, दोपहर 11 से 2 बजे तक तथा सायं 3 से 6 बजे बजे तक आयोजित की जायेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप नकल विहीन परीक्षा सम्पन्न कराने के लिये निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर विश्वविद्यालय के निदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जायेगा। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के निर्देशन में परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखा के निदेशकों, क्षेत्रीय केन्द्र निदेशकों तथा परीक्षा केन्द्र के केन्द्राध्यक्षों की संयुक्त टीम गठित की गयी है। साथ ही उड़ाका दल एवं पर्यवेक्षकों की टीम परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण करेगी।

दैनिक जागरण

मुविवि की परीक्षाएं 29 से

जागरण संवाददाता, इलाहाबाद : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि (यूपीआरटीयू), की सत्र जून-2018 की परीक्षाएं 29 मई से शुरू हो रही हैं। ये परीक्षाएं सात जुलाई तक चलेंगी। प्रदेश के 11 क्षेत्रीय केन्द्रों इलाहाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, बरेली, कानपुर, आगरा, झांसी, नोएडा, मेरठ तथा फैजाबाद से सम्बद्ध 800 अध्ययन केंद्रों में पंजीकृत लगभग 50 हजार शिक्षार्थी प्रदेश में स्थित 85 परीक्षा केंद्रों में परीक्षा देंगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी ने बताया कि प्रवेश पत्र ऑनलाइन कर दिए हैं। परीक्षा समय सारणी भी वेबसाइट पर है। वेबसाइट से प्रवेश-पत्र डाउनलोड करके परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

तीन पालियों में परीक्षाएं

जासं, इलाहाबाद : सत्रीय परीक्षाएं तीन पालियों में सुबह सात से 10 बजे, 11 से 2 बजे तक तथा 3 से 6 बजे तक होंगी। परीक्षा की शुचिता को विभिन्न विद्याशाखा के निदेशकों, क्षेत्रीय केंद्र निदेशकों तथा परीक्षा केंद्र के केन्द्राध्यक्षों की संयुक्त टीम गठित की गई है।

रविवार,27 मई, 2018 पिछले अंक
रविवासरीय हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

मुविवि की परीक्षाएं 29 मई से, 50 हजार बैठेंगे

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्र जून-2018 की परीक्षाएं 29 मई से प्रारंभ होकर सात जुलाई तक चलेंगी। प्रदेश के 11 क्षेत्रीय केन्द्रों इलाहाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, बरेली, कानपुर, आगरा, झांसी, नोएडा, मेरठ तथा फैजाबाद से संबद्ध 800 अध्ययन केन्द्रों में पंजीकृत लगभग 50 हजार शिक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इसके लिए 85 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी ने बताया कि परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र ऑनलाइन कर दिए गए हैं। परीक्षा समय सारणी भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। परीक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश-पत्र डाउनलोड करके परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। सत्रीय परीक्षाएं तीन पालियों में सुबह सात से 10 बजे, दोपहर 11 से 2 तथा 3 से 6 बजे तक होंगी। नकल विहीन परीक्षा के लिए उड़नदस्ते की टीमें गठित की गई हैं।

अमर उजाला

मुक्त विवि की परीक्षाएं 29 से

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद की सत्र जून-2018 की परीक्षाएं 29 मई से शुरू होने जा रही हैं। परीक्षाएं सात जुलाई तक आयोजित की जाएंगी। प्रदेश के 11 क्षेत्रीय केंद्रों में पंजीकृत तकरीबन 50 हजार शिक्षार्थियों के लिए 85 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

29 मई, 2018

शुरु हुई मुविवि की परीक्षाएं

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्र जून–2018 की परीक्षाएं दिनांक 29 मई, 2018 से प्रदेश के 85 परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से प्रारम्भ हुई। परीक्षा में लगभग 50 हजार परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं। प्रदेश के सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों के लिए विशेष प्रबन्ध किए गए हैं। कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने सभी केन्द्राध्यक्षों से पारदर्शिता पूर्ण ढंग से परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए। आज इलाहाबाद, आगरा, बरेली, झांसी, कानपुर, लखनऊ, गोरखपुर, फैजाबाद, मेरठ, गाजियाबाद तथा वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के अभ्यर्थियों के लिए निर्धारित परीक्षा केन्द्रों का पर्यवेक्षकों ने निरीक्षण किया। इलाहाबाद में आज विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र में कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने औचक निरीक्षण किया।

परीक्षा नियंत्रक डॉ0 जी0के0 द्विवेदी ने बताया कि पहले दिन परीक्षा शांतिपूर्ण एवं पारदर्शिता पूर्ण ढंग से प्रारम्भ हुई। सभी परीक्षा केन्द्रों पर नकल विहीन परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए व्यापक व्यवस्था की गयी है। परीक्षाएं तीन पालियों में सुबह 7 से 10 बजे तक, दोपहर 11 से 2 बजे तक तथा अपरान्ह 3 से 6 बजे तक हो रही है। परीक्षा सात जुलाई 2018 तक चलेगी।

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

परीक्षा केन्द्र S-019

इस्माइल नेशनल
महिला पी.जी. कालेज,
मेरठ
(परीक्षा केन्द्र S-019)

महर्षि शुकदेव स्वामी कल्याण देव डिग्री कालेज, मुजफ्फरनगर (परीक्षा केन्द्र S-1044)

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नज़रिया
बुधवार,30 मई, 2018
पिछले अंक
युवा
हिन्दुस्तान 12

शुरू हुईं मुक्त विवि की सत्रीय परीक्षाएं

इलाहाबाद। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि के सत्र जून 2018 की परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो गईं। परीक्षा प्रदेश में बनाए गए सभी 85 केंद्रों पर हुई हालांकि पहले दिन सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और कुछ डिग्री कोर्स की परीक्षा होने से परीक्षार्थियों की संख्या थोड़ी कम रही। परीक्षा नियंत्रक डॉ. जीके द्विवेदी ने बताया कि परीक्षा सात जुलाई तक चलेगी। इसमें इलाहाबाद समेत प्रदेश के 11 क्षेत्रीय केन्द्रों में करीब 50 हजार शिक्षार्थी शामिल होंगे।

दैनिक जागरण

एक नजर

मुक्त विवि की परीक्षाएं शुरू

इलाहाबाद : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि की सत्र जून-2018 की परीक्षाएं मंगलवार से प्रदेश के 85 केंद्रों पर शुरू हुईं। ये परीक्षाएं सात जुलाई तक तीन पालियों में होंगी। प्रदेश के 11 क्षेत्रीय केंद्रों से सम्बद्ध 800 अध्ययन केंद्रों में पंजीकृत लगभग 50 हजार शिक्षार्थी प्रदेश में स्थित 85 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा में भाग ले रहे हैं। यह जानकारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी ने दी। जासं.

अमर उजाला
amarujala.com
इलाहाबाद : बुधवार, 30 मई 2018

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि की परीक्षाएं शुरू

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो गईं।

सत्र जून-2018 की परीक्षाएं सात जुलाई तक तीन पालियों सुबह सात से दस, दिन में 11 से अपराह्न दो और तीन से शाम छह बजे तक आयोजित की जाएंगी। अलग-अलग परीक्षाओं के लिए प्रदेश भर में तकरीबन 50 हजार शिक्षार्थी पंजीकृत हैं और परीक्षा के लिए कुल 85 केंद्र बनाए गए हैं। पहले दिन सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और कुछ छोटे डिग्री पाठ्यक्रमों की परीक्षा थी, सो परीक्षार्थियों की संख्या कम रही।

अमर उजाला
इलाहाबाद
amarujala.com
इलाहाबाद
बुधवार, 30 मई 2018

मुक्त विवि की परीक्षाएं शुरू

इलाहाबाद। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि की परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो गईं। सत्र जून-2018 की परीक्षाएं सात जुलाई तक तीन पालियों सुबह सात से दस, दिन में 11 से अपराह्न दो और तीन से शाम छह बजे तक आयोजित की जाएंगी। अलग-अलग परीक्षाओं के लिए प्रदेश भर में तकरीबन 50 हजार शिक्षार्थी पंजीकृत हैं और परीक्षा के लिए कुल 85 केंद्र बनाए गए हैं। पहले दिन सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और कुछ छोटे डिग्री पाठ्यक्रमों की परीक्षा थी, सो परीक्षार्थियों की संख्या कम रही।

गुरुवार,31 मई, 2018
पिछले अंक
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

मुक्त विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश 5 से

दाखिला

इलाहाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्र जुलाई-2018 की प्रवेश प्रक्रिया 5 जून से शुरू होगी। प्रदेश के सभी 11 क्षेत्रीय केन्द्रों इलाहाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, बरेली, कानपुर, आगरा, झांसी, नोएडा, मेरठ तथा फैजाबाद से सम्बद्घ 800 से अधिक अध्ययन केन्द्रों में शिक्षार्थी ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं।

प्रवेश प्रभारी डॉ. आरपीएस यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय ने इस बार इंटरमीडिएट उत्तीर्ण शिक्षार्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए व्यापक प्रबन्ध किये हैं। परम्परागत विश्वविद्यालयों में सीटों की सीमित संख्या होने के कारण प्रवेश से वंचित शिक्षार्थियों के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने कई रोजगारपरक एवं कौशल विकास युक्त कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं।

वर्तमान में अत्यन्त उपयोगी एवं समसामयिक पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रिमोट सेन्सिंग तथा कृषि के क्षेत्र में रोजगारपरक कार्यक्रमों के तहत डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर, डिप्लोमा इन एग्री बिजनेस मैनेजमेन्ट, सर्टीफिकेट इन गुड्स एंड सर्विस टैक्स (सीजीएसटी) तथा एकल विषय में द्वि-वर्षीय प्रमाण पत्र कार्यक्रम (कला एवं विज्ञान वर्ग) आदि अनेक कार्यक्रम इस सत्र से प्रारंभ किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी विवि की बेवसाइट 'यूपीआरटीओयू डॉट एसी डॉट इन' पर उपलब्ध है।

दैनिक जागरण

मुक्त विवि में ऑनलाइन प्रवेश पांच से

जासं, इलाहाबाद : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि, इलाहाबाद की सत्र जुलाई-2018 की प्रवेश प्रक्रिया पांच जून 2018 से शुरू हो रही है। प्रदेश के सभी 11 क्षेत्रीय केंद्रों इलाहाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, बरेली, कानपुर, आगरा, झांसी, नोएडा, मेरठ तथा फैजाबाद से सम्बद्ध 800 से अधिक अध्ययन केंद्रों में शिक्षार्थी ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं।

प्रवेश प्रभारी डॉ. आरपीएस यादव ने बताया कि विवि ने इस बार इंटरमीडिएट उत्तीर्ण शिक्षार्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। परंपरागत विवि में सीटों की सीमित संख्या होने के कारण प्रवेश से वंचित शिक्षार्थियों के लिए मुक्त विवि ने कई रोजगारपरक एवं कौशल विकास युक्त कार्यक्रम शुरू किए हैं। वर्तमान में कई उपयोगी एवं समसामयिक पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रिमोट सेन्सिंग तथा कृषि के क्षेत्र में रोजगारपरक कार्यक्रमों के तहत डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर, डिप्लोमा इन एग्री बिजनेस मैनेजमेन्ट, सर्टिफिकेट इन गुड्स एंड सर्विस टैक्स (सीजीएसटी) तथा एकल विषय में द्वि-वर्षीय प्रमाण पत्र कार्यक्रम (कला एवं विज्ञान वर्ग) इस सत्र से शुरू किया गया है। विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की बेवसाइट 'डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू यूपीआरटीओयू डॉट एसी डॉट इन' पर उपलब्ध है।

दिनांक 31 मई, 2018

काइस चर्च कालेज, कानपुर (परीक्षा केन्द्र S-010)

मुल्तानी मोदी कालेज, मोदीनगर (परीक्षा केन्द्र S-053)

नेशनल पी.जी. कालेज, लखनऊ (परीक्षा केन्द्र S-033)

शिव हर्ष किसान पी.जी. कालेज, बस्ती (परीक्षा केन्द्र S-025)